भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

1 अप्रैल - 7 अप्रैल 2026

jagrukjanta.net

चैत्र, पक्ष - शुक्ल, तिथि - चतुर्दशी-पूर्णिमा, संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-5, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध का दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर असर

सटीक

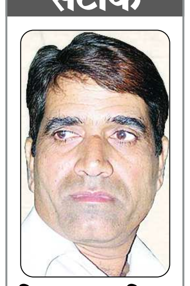

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

अमेरिका-इजरायल तथा ईरान के बीच युद्ध को एक महीना पूरा हो चुका है। अभी तक इसके समाप्त होने के आसार नहीं नजर आते। दोनों पक्षों ने ऐसी शर्तें रखी हैं जिन्हें पूरा करना उन दोनों के लिए लगभग नामुमकिन ही है। अमेरिका की 15 बिंदुओं वाली योजना में ईरान से ऐसी गारंटी मांगी गई है जो उसे शत्रुतापूर्ण क्षेत्र में भविष्य के हमलों से बचाव करने में असमर्थ बना देगी। इसके जवाब में ईरान ने भी शर्तें रखीं, जैसे प्रतिबंध हटाना, नेतृत्व करने वालों की हत्याओं को रोकना और भविष्य में अमेरिकी आक्रामकता के खिलाफ गारंटी देना। पाकिस्तान, मिस्र, तुर्किये और सऊदी अरब द्वारा समझौता कराने के प्रयासों के बावजूद दोनों पक्षों का अड़ियल रवैया वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारी आर्थिक बोझ डालने वाला है। पहले से ही एशियाई देश, जो पश्चिम एशियाई जीवाश्म ईंधन पर अत्यधिक निर्भर हैं, मुद्रास्फीति के प्रभाव और ईंधन की कमी से उत्पन्न कठिनाइयों को नियंत्रित करने के लिए जूझ रहे हैं, जिसका उनकी अर्थव्यवस्था और सरकारी वित्त पर दीर्घकालिक प्रतिकूल असर पड़ेगा। उदाहरण के लिए, तेल विपणन कंपनियों को राहत देने के लिए पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को 10 रुपये प्रति लीटर कम करना, भारतीय सरकारी राजस्व को वार्षिक आधार पर 1.2 लाख करोड़ रुपये से 1.7 लाख करोड़ रुपये तक घटा सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए और अधिक कठिनाई सामने है, क्योंकि प्रतिशोधी हमलों की दोबारा शुरुआत और यमन के हूतियों द्वारा इजरायल के खिलाफ अप्रत्याशित आक्रामकता ने एक नया मोर्चा खोल दिया है। यह नया मोर्चा स्वेज नहर और लाल सागर होकर चलने वाले एक अन्य प्रमुख वैश्विक व्यापार मार्ग को खतरे में डाल सकता है। होर्मुज स्ट्रेट से समुद्री तेल और गैस व्यापार का एक चौथाई हिस्सा होता है और यह पश्चिम एशियाई जीवाश्म ईंधन उत्पादकों का मुख्य मार्ग है। अब तक ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट में खनन और नाकेबंदी ने तेल की कीमतों को 73 डॉलर प्रति बैरल (बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड) से बढ़ाकर 110-119 डॉलर तक पहुंचा दिया है, साथ ही इसकी भारी कमी भी पैदा की है। पूर्वी एशिया पर इसका विशेष रूप से गंभीर असर पड़ा है क्योंकि 80 से 90 फीसदी कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी मार्ग से आते हैं। सऊदी अरब ने नाकेबंदी का सामना करने के लिए अपने पूर्व-पश्चिम स्थलीय पाइपलाइन से लाल सागर के यनबू बंदरगाह तक तेल प्रवाह बढ़ाने की कोशिश की, जिससे कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम हुआ। लेकिन अब वह मार्ग भी खतरे में है। स्वेज नहर/लाल सागर दुनिया के कंटेनर यातायात का एक-तिहाई हिस्सा संभालता है, और दुनिया पहले ही 2023 और 2024 में हूती व्यवधानों का असर देख चुकी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन से लोकल टू ग्लोबल हो रहे स्थानीय उत्पाद

राजस्थान के उत्पाद दुनिया में बना रहे विशिष्ट पहचान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार स्थानीय विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 के माध्यम से राजस्थान के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जा रहा है। यह नीति स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और उद्यमियों को सशक्त बनाते हुए प्रदेश में रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति दे रही है।

स्थानीय विकास से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए हर गाँव, तहसील और जिले के समग्र स्थानीय विकास पर जोर दिया है। उनके अनुसार वोकल फॉर लोकल, सबका साथ-सबका विकास से ही

आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। ओडीओपी नीति के माध्यम से लोकल से ग्लोबल का सपना साकार हो रहा है और राजस्थान के उत्पाद विश्व पटल पर अलग पहचान बना रहे हैं। इस नीति के तहत प्रत्येक जिले में उत्पाद का चयन किया गया है, जिससे स्थानीय संसाधनों और कौशल का बेहतर उपयोग हो सके। साथ ही, प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखते हुए प्रमुख उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाएं।

12वीं रिजल्ट जारी, बेटियों का दबदबा, कॉमर्स में गिरावट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 का परिणाम जारी कर दिया है। इस वर्ष कुल परिणाम में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। 2025 में जहां कुल परिणाम 97.76 प्रतिशत था, वहीं 2026 में यह घटकर 97.20 प्रतिशत रह गया।टॉपर्स की बात करें तो कॉमर्स स्ट्रीम में वर्षा रानी ने 99.20 प्रतिशत अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं साइंस स्ट्रीम में 5 छात्रों ने 99.80 प्रतिशत अंक हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि टॉप-5 में चार लड़कियां शामिल हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने नतीजों की घोषणा करते हुए टॉपर्स को फोन पर बधाई दी। बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल भी साइंस और आर्ट्स में लड़कियों ने बाजी मारी है, जबकि कॉमर्स में लड़कों का पास प्रतिशत बेहतर रहा है।

प्रमुख टॉपर्स और स्कोर

- **साइंस** - इस संकाय में 5 संयुक्त टॉपर्स ने 99.80% अंक प्राप्त कर इतिहास रचा है। सीकर की दिव्या इनमें से एक प्रमुख नाम हैं।
- **आर्ट्स**-जोधपुर की मानसी जांगिड़ ने 99.20% अंक प्राप्त किए, जबकि आर्ट्स के टॉप स्कोरर 99.60% पर रहे।
- **कॉमर्स**- एक छात्रा ने 99.20% अंकों के साथ प्रदेश भर में टॉप किया।

मार्च में ही नतीजे

राजस्थान बोर्ड ने इस बार कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। बोर्ड के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब मार्च महीने में ही 12वीं के नतीजे घोषित कर दिए गए (आमतौर पर मई-जून में आते थे)।

सक्रिय होंगे पश्चिमी विक्षोभ, अप्रेल में भी आंधी-बारिश की चेतावनी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलने जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार आगामी सप्ताह में एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सरि य होने से कई हिस्सों में आंधी और बारिश का दौर देखने को मिलेगा। पिछले 24 घंटों में भी राज्य के कई भागों में आंधी-बारिश दर्ज की गई। पूर्वी राजस्थान के कोटा जिले के लाडपुरा में सर्वाधिक 34 मिमी और पश्चिमी राजस्थान के नागौर जिले के मूंडवा में 24 मिमी बारिश दर्ज हुई। मौसम विभाग के अनुसार आज उदयपुर और कोटा संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है, जबकि प्रदेश के अन्य भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहेगा। वहीं 2 अप्रेल की रात को जैसलमेर, बाड़मेर और फलोदी जिलों के आसपास आंधी-बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

4000 किमी नर्मदा परिक्रमा पूर्ण कर शिवदयाल मिश्रा दंपत्ति पहुंचे हाथोज धाम, बालाजी महाराज का लिया आशीर्वाद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विश्व शांति एवं जनकल्याण की मंगल कामना के उद्देश्य से शिवदयाल मिश्रा एवं उनकी धर्मपत्नी उर्मिला मिश्रा ने पाँच माह की कठिन साधना के पश्चात लगभग 4000 किलोमीटर लंबी पवित्र नर्मदा परिक्रमा सफलतापूर्वक पूर्ण की। अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा के समापन उपरांत दोनों हाथोज धाम पहुंचे, जहाँ उन्होंने दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर हाथोज धाम के पीठाधीश्वर स्वामी बालमुकुन्दाचार्य महाराज ने शिवदयाल मिश्रा का बालाजी महाराज का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया तथा उनकी इस सफल और तपस्वी यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की धार्मिक यात्राएँ न केवल व्यक्तिगत आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम होती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और सद्भाव का भी संदेश देती हैं। नर्मदा परिक्रमा को श्रद्धा, तप, त्याग और अटूट आस्था का प्रतीक माना जाता है, जिसे पूर्ण करना अत्यंत कठिन एवं साधना पूर्ण कार्य है। शिवदयाल मिश्रा एवं उनकी धर्मपत्नी द्वारा इस यात्रा को सफलतापूर्वक पूर्ण करना समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि शिवदयाल मिश्रा पिछले 45 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए समाज के विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं और जनसेवा के कार्यों में भी निरंतर योगदान दे रहे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नर्मदा नदी की परिक्रमा का अत्यंत विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इस पवित्र यात्रा को पूर्ण करने से साधक को आध्यात्मिक शांति, पुण्य और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की प्राप्ति होती है। प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों ने भी नर्मदा तट पर तपस्या कर ज्ञान एवं आत्मिक शक्ति प्राप्त की थी।

जागरूक खबरें

5 और 6 अप्रैल को होगी SI भर्ती परीक्षा, जिला प्रशासन और SOG रडार पर 7.70 लाख अभ्यर्थी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग 5 और 6 अप्रैल को होने वाली उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष और शुचितापूर्ण तरीके से कराने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। प्रदेश के 41 शहरों में बने 1174 परीक्षा केंद्रों पर करीब 7.70 लाख अभ्यर्थी परीक्षा देंगे. आयोग ने बहु-स्तरीय सुरक्षा प्रबंध किए हैं। डमी अभ्यर्थियों, संदिग्ध तत्वों और अनैतिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस के साथ विशेष निगरानी तंत्र बनाया गया है। इस बार परीक्षा में क्यूआर कोड युक्त आधुनिक प्रवेश पत्र, अनिवार्य मूल रंगीन फोटो पहचान पत्र और हर केंद्र पर सघन वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य होगी। परीक्षा केंद्र के 100 मीटर दायरे में स्थित सभी साइबर कैफे और ई-मित्र केंद्र परीक्षा के दौरान बंद रहेंगे। आयोग सचिव ने बताया कि परीक्षा को देखते हुए प्रश्न-पत्रों की गोपनीयता, सुरक्षित भंडारण और समयबद्ध वितरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी अभ्यर्थी के पास कोई प्रतिबंधित सामग्री यथा मोबाइल, ब्लूटूथ या अन्य कोई संचार उपकरण नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

एन. के. पब्लिक स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों का भव्य सम्मान समारोह, बोर्ड परिणाम रहे शानदार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आर्य नगर, मुरलीपुरा स्थित एन. के. पब्लिक स्कूल में कक्षा 5 एवं 8 के ग्रेड-ए प्राप्त विद्यार्थियों तथा कक्षा 10 के 90.00 प्रतिषत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने आयोजन को गरिमामयी बना दिया। विद्यालय द्वारा सभी मेधावी विद्यार्थियों का प्रबंध निदेषक डॉ. एन. सी. लुनायच एवं निदेषक कुलदीप सिंह के द्वारा माल्यार्पण कर एवं मेडल एवं प्रषस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं प्रबंधन के सहयोग को देते हुए आभार व्यक्त किया।

शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

गणित में धैर्य सोनी, गुंजन वर्मा, हर्ष यादव, तनिष्का मीणा, वैभव रुंडला, प्रियांशु शर्मा, राहुल सिंह ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किये। विज्ञान में आरव सहारिया, आर्यन सोनी, सुहानी शर्मा ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किये। संस्कृत में लक्षिता गुर्जर ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किये। विद्यालय के निदेशक कुलदीप सिंह ने कहा कि "यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों की लगन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. लुणायच ने कहा कि "ऐसे सम्मान समारोह विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और भविष्य में बेहतर करने के लिए उत्साहित करते हैं।" प्रधानाचार्या चित्रा राजे बसेरा द्वारा आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

परिणाम का संक्षिप्त विवरण

कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में 37 विद्यार्थियों ने 90.00% से अधिक अंक प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त 20 विद्यार्थियों ने 85.00 से 89.99 %, 20 विद्यार्थियों ने 80.00 से 84.99 %, 20 विद्यार्थियों ने 70.00 से 79.99 % तथा 21 विद्यार्थियों ने 60.00 से 69.99 % अंक प्राप्त किए। कक्षा 8 में 40 विद्यार्थियों ने ग्रेड ए तथा 30 विद्यार्थियों ने ग्रेड बी हासिल किया। वही कक्षा 5 में 45 विद्यार्थियों ने ग्रेड ए एवं 13 विद्यार्थियों ने ग्रेड बी प्राप्त किया।

माध्यमिक षिक्षा बोर्ड राजस्थान में प्रमुख टॉपर्स

आर्यन सोनी ने 97.67 प्रतिषत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। लक्ष्य एवं लक्षिता गुर्जर ने 96.00 %, तनिष्का मीणा ने 95.50 %, हर्ष यादव ने 95.33 % तथा ध्रुव अग्रवाल ने 95.00 प्रतिषत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

राज्य के फूड एवं न्यूट्रिशन सिक्योरिटी एनालिसिस डैशबोर्ड को मिला स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2025

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य के आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा विकसित फूड एवं न्यूट्रिशन सिक्योरिटी एनालिसिस डैशबोर्ड को प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 28 मार्च, 2025 को नई दिल्ली स्थित नेशनल हैबिटेट सेंटर में आयोजित स्कॉच समिट के दौरान प्रदान किया गया। राज्य की ओर से यह पुरस्कार डॉ. प्रवीण कुमार, सहायक निदेशक, एस.डी.जी. को ऑर्डिनेशन एंड एक्सीलरेशन सेंटर ने समारोह में ग्रहण किया। यह डैशबोर्ड राज्य में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा की स्थिति का जिलेवार आकलन प्रस्तुत करता है। विश्व स्तर पर स्थापित मानकों के आधार पर तैयार यह प्लेटफॉर्म नीति-निर्माताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों को सटीक एवं विस्तृत विश्लेषण उपलब्ध कराता है, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलती है। उल्लेखनीय है कि इस डैशबोर्ड का शुभारंभ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा वर्ष 2024 में किया गया था। यह उपलब्धि राज्य के डेटा-आधारित सुशासन एवं पोषण सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

ग्रामीण अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं सड़क तंत्र के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में शहरों की तर्ज पर ही ग्रामीण अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं सड़क तंत्र के विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर यूटिलिटी कार्यों से खराब हुई ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों के मरम्मत कार्य शनिवार (28 मार्च) से प्रारम्भ कर दिए गए हैं। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा प्रथम दिन सैकड़ों ग्रामीण क्षेत्रों में मरम्मत कार्य किए गए हैं।

आमजन को राहत प्रदान करते हुए बाड़मेर, जालोर, डीग, जैसलमेर, अलवर, डूंगरपुर, कोटपूतली, हनुमानगढ़, जोधपुर, भीलवाड़ा, उदयपुर इत्यादि जिलों में सिंचाई लाइनों व पेयजल लाइनों के कारण हुई रोड कटिंग की मरम्मत की गई है। इसकी प्रभावी निगरानी हेतु जिला कलक्टर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अतिरिक्त जिला कलक्टर, उपखण्ड अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं संबंधित तकनीकी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि शर्मा के निर्देश पर शहरी क्षेत्रों में भी यूटिलिटी लाइनों के कार्य से प्रभावित सड़कों को पुनः सुचारू एवं मोटरेबल स्थिति में लाने के लिए मरम्मत कार्य किए गए हैं। इसी को आगे बढ़ाते हुए अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू किया गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुगम एवं सुलभ आवागमन मिलने के साथ ही सड़क हादसों में भी कमी आएगी।

नीरजा मोदी स्कूल में कक्षा 11वीं में नहीं होंगे नए एडमिशन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान शिक्षा विभाग ने अमायरा की मौत के बाद स्कूल के खिलाफ आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, नीरजा मोदी स्कूल की कक्षा ग्यारहवीं और 12वीं की मान्यता को रद्द किया गया है। कक्षा 11 के दो आगामी सत्र और कक्षा 12 का एक सत्र विद्यालय में संचालित नहीं हो सकेगा। इस सत्र में केवल कक्षा 11 से 12 में प्रमोट हो रहे विद्यार्थी वहीं पढ़ सकेंगे। हालांकि, कुछ ऐसा ही आदेश पूर्व में सीबीएसई की ओर से भी निकाला गया था। इस आदेश को हाल ही में हाईकोर्ट ने अंतरिम रूप से रद्द भी कर दिया है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने सीबीएसई से उन स्कूलों की सूची भी मांगी थी, जहां पर वे विद्यार्थियों को शिफ्ट करने का विचार रखते हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय एवं निवास पर अर्थ आवर के तहत एक घंटे बिजली रही बंद

ऊर्जा संसाधनों के समुचित उपयोग से ही होगा भविष्य सुरक्षित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को एकजुट होकर ऊर्जा संसाधनों के समुचित उपयोग में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अर्थ ऑवर के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय एवं निवास पर शनिवार रात को 8.30 बजे से 9.30 बजे तक एक घंटे के लिए बिजली बंद रखी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय एवं निवास में सभी लाइट्स एवं उपकरण बंद रहे और कार्मिकों ने मोमबत्ती की रोशनी में कार्य किया। शर्मा ने कहा कि ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग से ही आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है। उन्होंने आमजन से सभी ऊर्जा संसाधनों के सदुपयोग की इस मुहिम को केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन अपनाने की अपील की।

जयपुर जिला प्रशासन का रास्ता खोलो अभियान...गढ़ रहा सुशासन की नई पहचान

अभियान के तहत 17 महीनों से भी कम समय में खोले गए 1800 से ज्यादा रास्ते

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एक प्रशासनिक पहल आमजन के जीवन में किस तरह ठोस और सकारात्मक बदलाव ला सकती है, इसका जीवंत और प्रेरक उदाहरण जयपुर जिले की लसाड़िया पंचायत में देखने को मिलता है। कभी गड्डूड़ा से चकवाड़ा तक पहुंचना ग्रामीणों के लिए काफी परेशानी भरा था। 17 किलोमीटर का लंबा और थकाऊ सफर, समय की बर्बादी और रोजमर्रा की परेशानियां उनकी नियति बन चुकी थीं। लेकिन आज वही रास्ता उम्मीद, राहत और बदलाव की कहानी कहता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से चलाए जा रहे रास्ता खोलो अभियान के तहत 30 वर्षों से बंद पड़ा यह मार्ग जब खुला, तो मानो ग्रामीणों की जिंदगी ही बदल गई। अब गड्डूड़ा से चकवाड़ा की दूरी 17 किलोमीटर से सिमटकर महज 7 किलोमीटर रह गई है। यह केवल दूरी कम होने की बात नहीं, बल्कि रोज की मशक्कत, अतिरिक्त खर्च और समय की बर्बादी से मुक्ति की कहानी है। ग्रेवल सड़क बनने से यह राहत और भी सहज हो गई है, अब किसान अपनी उपज आसानी से बाजार तक पहुंचा पा रहे हैं, बच्चे बिना थके स्कूल जा रहे हैं और जरूरत के समय चिकित्सा सुविधाएं भी तेजी से उपलब्ध हो पा रही हैं। लसाड़िया की यह सफलता की कहानी भले ही एक उदाहरण हो, लेकिन इसके पीछे छिपा बदलाव बहुत व्यापक है। जयपुर जिले में महज 17 महीनों से भी कम समय में लसाड़िया की तर्ज पर 1800 से अधिक वर्षों से अवरुद्ध रास्तों को खुलवाकर लाखों ग्रामीणों के जीवन को सरल और सुगम बनाया गया है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के कुशल निर्देशन और सतत मॉनिटरिंग में यह अभियान केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। संवाद, सहमति और समझाइश के माध्यम से वर्षों पुराने विवादों को सुलझाते हुए गांवों, ढाणियों और खेतों तक जाने वाले रास्तों को फिर से जीवंत किया गया है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार ने बताया कि 15 नवम्बर 2024 से 29 मार्च 2026 तक की अवधि में इस अभियान के तहत कुल 1 हजार 802 रास्ते खुलवाए जा चुके हैं। प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह न्यूनतम 3 रास्ते खुलवाने का लक्ष्य निर्धारित कर प्रशासन ने कार्य को निरंतरता प्रदान की है। अभियान के अंतर्गत फागी तहसील ने सर्वाधिक 154 रास्ते खुलवाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मौजमाबाद तहसील में 135 रास्ते खोलकर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई।

साथ ही उन्होंने बताया कि चौमूं में 109, शाहपुरा में 106, चाकसू में 100, फुलेरा में 99, जमवारामगढ़ में 96, आमेर में 94, दूदू में 92, रामपुरा डाबड़ी में 91, माधोराजपुरा में 86, बस्सी में 85, जोबनेर में 84, जालसू में 79, कोटखावदा में 78, किशनगढ़ में 77, तुंगा में 61, सांगानेर में 39, कालवाड़ में 10 तथा जयपुर तहसील में 5 रास्ते खोले गए हैं।

इस अभियान से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम हुआ है, जिससे किसानों को खेतों तक कृषि मशीनरी ले जाने और उपज को बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिली है। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहतर हुई है, वहीं विद्यार्थियों को स्कूल और कॉलेज जाने में अब लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती।

रास्ता खोलो अभियान ने न केवल भौतिक रूप से मार्गों को खोला है, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक परिवर्तन लाते हुए वर्षों पुराने विवादों को समाप्त कर सामाजिक सौहार्द को सुदृढ़ किया है। सहमति आधारित इस पहल ने प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास को और मजबूत किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा और जिला प्रशासन के समर्पित प्रयासों से यह अभियान आज ग्रामीण क्षेत्रों में राहत, विश्वास और सुशासन का पर्याय बन चुका है, जो विकास के साथ-साथ जनविश्वास के नए मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है। यह पहल सिर्फ बंद रास्तों को खोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के दिलों में विश्वास, रिश्तों में सामंजस्य और जीवन में सहजता का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है। रास्ता खोलो अभियान ने यह साबित कर दिया है कि जब नीयत साफ हो और प्रयास निरंतर हों, तो प्रशासन केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि बदलाव की एक सशक्त धारा बन सकता है।

जयपुर में बनेंगे 2-2 अंडरपास और ओवरब्रिज, दिल्ली का सफर होगा आसान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर के सबसे व्यस्त चौराहों में शामिल 200 फीट बाइपास स्थित हीरापुरा जंक्शन पर ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए बड़ा प्रोजेक्ट शुरू होने जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआइ) ने अंडरपास और फ्लाईओवर निर्माण की योजना को मंजूरी देते हुए काम के लिए लेटर ऑफ अवार्ड जारी कर दिया है। प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद इस जंक्शन पर लगने वाले लंबे जाम से लोगों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

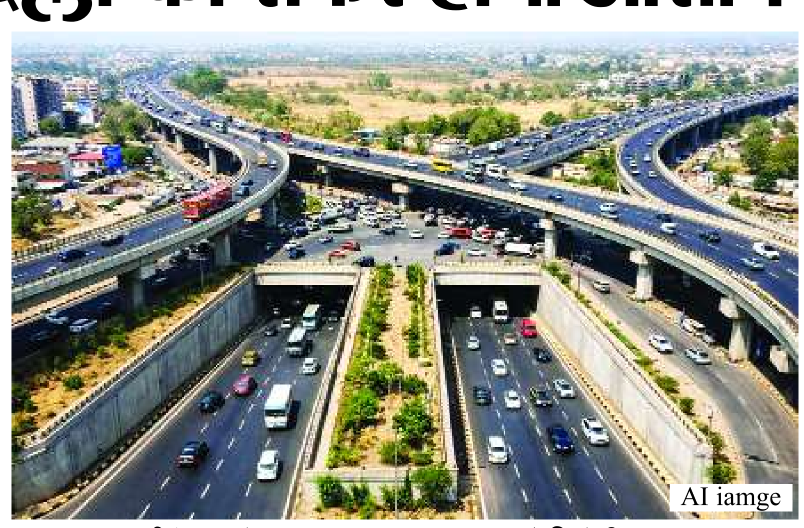

काम शुरू करने के निर्देश

एनएचएआइ के अनुसार इस प्रोजेक्ट के तहत 200 फीट बाइपास और जयपुर-किशनगढ़ सिक्स लेन हाईवे पर कुल दो अंडरपास और दो फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। इसके लिए चयनित निर्माण कंपनी को जल्द से जल्द ग्राउंड पर काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। पूरे प्रोजेक्ट को पूरा होने में करीब दो साल से अधिक का समय लग सकता है। योजना के तहत एक अंडरपास मानसरोवर से दिल्ली, सिरसी और कालवाड़ की दिशा में जाने वाले यातायात के लिए बनाया जाएगा, जबकि दूसरा अंडरपास दिल्ली से मानसरोवर आने वाले वाहनों के लिए होगा। ये दोनों अंडरपास करीब 600 से 700 मीटर लंबे और दो-दो लेन के होंगे, जिससे ट्रैफिक का दबाव कम होगा और वाहन बिना रुकावट के निकल सकेंगे।

लंबा फ्लाईओवर बनेगा

इसके अलावा फ्लाईओवर निर्माण भी इस प्रोजेक्ट का अहम हिस्सा है। अजमेर की तरफ से आने वाले भारी वाहनों को सीधे दिल्ली और सीकर की ओर भेजने के लिए सर्विस लेन के ऊपर लंबा फ्लाईओवर बनाया जाएगा। वहीं दूसरा फ्लाईओवर जयपुर शहर के वैशाली नगर और अजमेर रोड से आने वाले ट्रैफिक को सीधे अजमेर की ओर जाने में मदद करेगा, जिसकी लंबाई करीब 900 मीटर होगी। वर्तमान में हीरापुरा जंक्शन पर सुबह और शाम के समय सबसे ज्यादा ट्रैफिक दबाव रहता है।

जाम से मिलेगी राहत

पीक ऑवर्स में यहां इतनी भीड़ हो जाती है कि मानसरोवर से दिल्ली की दिशा में जंक्शन पार करने में 8 से 10 मिनट तक का समय लग जाता है। कई बार यहां लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। एनएचएआइ का मानना है कि अंडरपास और फ्लाईओवर बनने के बाद इस क्षेत्र में ट्रैफिक का प्रवाह सुगम हो जाएगा। खासकर जयपुर-अजमेर और दिल्ली रूट पर यात्रा करने वाले लोगों को सीधा फायदा मिलेगा। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी, बल्कि शहर के प्रमुख मार्गों पर यात्रा का समय भी घटेगा। आने वाले समय में यह जंक्शन आधुनिक यातायात व्यवस्था का उदाहरण बन सकता है, जिससे रोजाना हजारों वाहन चालकों को राहत मिलेगी।

जागरूक खबरें

पंच गौरव योजना के तहत चौगान स्टेडियम में कबड्डी शिविर का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर के चौगान स्टेडियम में "पंच गौरव- एक जिला, एक खेल" योजना के तहत कबड्डी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रैक सूट एवं स्पोर्ट्स शूज प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में यह भी उल्लेख किया गया कि चौगान स्टेडियम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी निकलकर देश-प्रदेश का नाम रोशन कर चुके हैं। यह कबड्डी प्रशिक्षण शिविर 22 मार्च से 31 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया। इसमें खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन एवं प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई। शिविर में कुल 22 बालक एवं 22 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। बालक वर्ग को कोच फूलचंद गुर्जर और बालिका वर्ग को महिला कोच श्रीमती आशा चौधरी ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज सिटी के संर्वधन, सरंक्षण, सौन्दर्यकरण के लिए धरातल पर मिशन मोड पर कार्य करने के निर्देश

समृद्ध संस्कृति और विरासत का जीवंत प्रतीक है जयपुर

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने परकोटे का किया निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने मंगलवार को परकोटे के विभिन्न स्थानों, हवेलियों, मंदिर का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति जानी। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने परकोटे की संकरी गलियों में पैदल दौरा कर वास्तविक स्थिति को करीब से देखा तथा विरासत स्थलों की वर्तमान दशा का गहन अवलोकन किया।

परकोटे की हैरिटेज इमारतों, मंदिरों, नाटाणियों की हवेली, खजाने वालों का रास्ता, जैमिनी बिल्डिंग, दिगम्बर जैन मंदिर, राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, हैरिटेज वॉक वे, मणिहारों का रास्ता सहित विभिन्न स्थानों का जायजा लिया। इस दौरान शासन सचिव रवि जैन, संभागीय आयुक्त वी. सरवण कुमार, आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, उपायुक्त (स्वास्थ्य) मृणाल कुमार, अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल, एटीपी आकाश कुमावत सहित अन्य अधिकारी मौजूद

रहे। मुख्य सचिव ने सबसे पहले नाटाणियों की हवेली का निरीक्षण किया। वहां संचालित कोतवाली थाने का निरीक्षण करते हुए वर्षो पुराने संधारित अभिलेखों को भी देखा और इमारत के संरक्षण की शीघ्र कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके बाद मुख्य सचिव खजाने वालों का रास्ता पहुंचे, जहां खजाने वालों की हवेली तथा जैमिनी बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने ऐतिहासिक जानकारी लेकर हवेली को सरंक्षित करने के भी निर्देश दिए। इसके पश्चात मणिहारों का रास्ता स्थित दिगम्बर जैन मंदिर, सांगो का रास्ता स्थित राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट और हैरिटेज वॉक–वे का भी निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने बताया कि जयपुर एक ऐतिहासिक शहर है। यह हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत का जीवंत प्रतीक है। इसकी पहचान को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके सौन्दर्य एवं हैरिटेज को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है। परकोटे को सरंक्षित करने और यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज सिटी का टैग बनाये रखने हेतु इसके संवर्धन, संरक्षण और सौन्दर्यकरण के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों की ली बैठक

निरीक्षण के पश्चात् मुख्य सचिव ने नगर निगम के ई.सी. मीटिंग हॉल में जोन एवं मुख्यालय उपायुक्तों, अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली। बैठक में मुख्य सचिव ने जोन उपायुक्तों से उनके कार्यो की जानकारी ली तथा हैरिटेज सैल द्वारा बनाई गई पीपीटी से धरोहर संरक्षण, संर्वधन, सौन्दर्यकरण के लिए अब तक किए गए कार्यो तथा वर्तमान में किए जा रहे कार्यो के बारे में जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने परकोटे के सरंक्षण, संर्वधन, यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज टैग को बनाए रखने के दिए निर्देश

» मुख्य सचिव ने अनाधिकृत रूप से लगी हुई केबल को हटाने तथा हैरिटेज क्षेत्र में खराब पड़ी लाईट को ठीक करने तथा फसाड़ लाईटिंग ठीक करने के निर्देश दिए।
» स्पेशल एरिया हैरिटेज प्लान बनाने के कार्य अतिशीघ्र किए जाएं।
» हैरिटेज सैल को अधिक सक्रिय, उत्तरदायी एवं परिणान्मुख बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए।

मुकेश मीणा चौथी बार प्रेस क्लब के अध्यक्ष निर्वाचित

पिंकसिटी प्रेस क्लब प्रबन्ध कार्यकारिणी के वार्षिक चुनाव के नतीजे घोषित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब प्रबन्ध कार्यकारिणी 2026-27 के लिए मुकेश मीणा अध्यक्ष और राजकुमार शर्मा जकड़ी महासचिव निर्वाचित हुए है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिल शेखावत ने बताया कि अध्यक्ष पद पर मुकेश मीणा को 369, रोहित कुमार सोनी को 317, रूपेश टिंकर को 194 और अभय जोशी को 127 मत मिले है। महासचिव पद पर राजकुमार शर्मा जकड़ी को 430, रामेन्द्र सोलंकी को 392, परमेश्वर प्रसाद शर्मा को 112 एवं अभय सिंह को 42 मत मिले है। उपाध्यक्ष के दो पदों पर डॉ. मोनिका शर्मा और पुष्पेन्द्र सिंह राजावत निर्वाचित घोषित किए गए है। इस पद पर डॉ. मोनिका शर्मा को 416 और पुष्पेन्द्र सिंह राजावत को 399 मत मिले है। उन्होनें बताया कि कोषाध्यक्ष पद पर नमोनारायण अवस्थी ने 447 मत प्राप्त कर सफलता हासिल की है। इस पद पर अनिल त्रिवेदी को 365, और शालिनी श्रीवास्तव को 166 मत मिले है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी शेखावत ने बताया कि कार्यकारिणी के दस पदों पर

अनिता शर्मा, मतीष पारीक, निखलेश शर्मा, छगन लाल शर्मा, विकास आर्य, ज्ञानेन्द्र मिश्रा, महन्त संतोष कुमार शर्मा, मुकेश शर्मा, उमंग माथुर, धूलीलाल मीणा (डीसी) निर्वाचित किए गए है।

संस्था प्रधान जनगणना में ड्यूटी करें या शिक्षण सत्र में विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ाये?

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। संस्था प्रधान को पूछेंगे तो जनगणना ड्यूटी में मौजूद रहेंगे तो शायद महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय शंकरपुरा बिरासना आंधी में नामांकन घट सकता है उसके लिए जिम्मेदार एसडीएम या तहसीलदार माने जाएंगे। शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार केवल और केवल 30 से प्रतिशत शैक्षणिक के कर्मचारियों को जनगणना ड्यूटी में लगाने का प्रावधान है परंतु तहसीलदार के माध्यम से महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय शंकरपुरा में कुल शैक्षणिक स्टाफ 8 है जिनमें 2 संविदा कार्मिक स्थाई 6 कार्मिक, जिसमें से संस्था प्रधान सहित 5 शैक्षणिक स्टाफ को जनगणना के कार्य में नियुक्त आदेश जारी किए हैं जो कि सरासर गलत है। जनगणना कार्य कुछ दिनों के लिए चलने वाला नहीं है वर्ष भर चलेगा तो बच्चों का भविष्य का क्या होगा। संस्था प्रधान की अनुपस्थिति में नामांकन का ग्राफ नीचे देखने को मिल सकता है।

सांभर में आंगनबाड़ी चलो अभियान प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह का हुआ आयोजन

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आंगनबाड़ी के नवीन बच्चों को पोर्टफोलियो किट और खेल सामग्री का किया वितरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय सांभर लेक जयपुर में आंगनबाड़ी चलो अभियान प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं द्वारा दरबार सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांभर में आयोजित प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह में आंगनबाड़ी के नवीन बच्चों का स्वागत किया। उन्होंने आंगनबाड़ी के बच्चों को पोर्टफोलियो किट (बच्चों के लिए रंग, वॉटर बोतल, खिलौने) आदि प्रदान किये। आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोर्टफोलियों खेल सामग्री का वितरण इस उद्देश्य से किया जाता कि बच्चें खेल खेल में सीखे।बच्चों को आंगनबाड़ियों में स्वस्थ सुरक्षित एवं सीखने का माहौल मिल सके। समारोह में सांभर उपखण्ड अधिकारी ऋषि राज कपिल, उपनिदेशक आईसीडीएस पार्थवी शर्मा, उपनिदेशक महिला अधिकारिता राजेश डोगीवाल, कार्यक्रम प्रभारी आरपीएस सपना मौर्य तथा सीडीपीओ प्रिया कुमावत एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने एक बच्चे के जन्मदिन एवं आंगनबाड़ी में प्रवेश उत्सव पर केक काट कर स्टॉल का अवलोकन किया, जिसमें भामाशाहों से प्राप्त सामग्री एवं खिलौने आदि का वितरण किया गया। स्टॉल में विभिन्न आयामों पर आधारित कॉर्नर्स बनाए गए जिसमें आसपास के वातावरण में उपलब्ध सामग्री से निर्मित सहायक शिक्षण सामग्री तैयार कर प्रदर्शित की गई व बताया गया कि बच्चों को खेल खेल के माध्यम से स्कूल शिक्षा के लिए तैयार किया जा रहा है।

हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड ने शिक्षा मंत्री से शिष्टाचार भेंट कर वार्षिक अधिवेशन पर चर्चा की

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड राजस्थान राज्य के राज्य, संभाग व जिला मुख्यालय के पदाधिकारियों ने मंगलवार को सुबह 7:30 बजे उदयपुर सर्किट हाउस में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री व हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड राजस्थान राज्य के प्रदेश अध्यक्ष मदन दिलावर का स्वागत अभिनंदन करते हुए शिष्टाचार भेंट की। संभाग मुख्यालय आयुक्त (जनसंपर्क) गौरीकांत शर्मा ने बताया कि अधिकारियों ने अप्रैल में होने वाले वार्षिक अधिवेशन के बारे में चर्चा की। राज्य सचिव नरेंद्र ऑदिच्य ने मेवाड़ी पाग एवं राज्य संगठन आयुक्त रिपूदमन गिल ने स्काउट स्कार्फ व अन्य अधिकारियों ने उपर्णा पहनाकर और पुष्प गुच्छ भेंट कर दिलावर का स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर दिलावर ने पैसिफिक विश्वविद्यालय के फैकेल्टी ऑफ एजुकेशन की असिस्टेंट प्रोफेसर व हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड की जिला मुख्यालय आयुक्त रेंजर डॉ. कविता सागर (महात्मा) द्वारा लिखित पुस्तक 'अंतर्दृष्टि, समाज और मन समाजशास्त्र दर्शन मनोविज्ञान की संयुक्त यात्रा नामक पुस्तक का विमोचन किया। इसमें दर्शन, मनोविज्ञान और समाजशास्त्रः मनुष्य को समझने की त्रिकोणीय दृष्टि पर आठ अध्याय लिखे गए हैं। इस अवसर पर राज्य प्रशिक्षण आयुक्त प्रदीप मेघवाल, संभाग आयुक्त गोपाल मेहता मेनारिया, जिला सहायक राज्य संगठन आयुक्त शांता वैष्णव, जिला ट्रेनिंग कमिश्नर ईश्वरी रेगर, जिला मुख्यालय आयुक्त (रेंजर) डॉ. कविता सागर, राज्य मुख्यालय के पवन कुमार, भरतपुर के सहायक राज्य संगठन आयुक्त भरत लाल प्रजापत, जिला ऑर्गेनाइजर भरतपुर सुभाष आदि मौजूद रहे।

दिलावर ने उदयपुर में ली पंचायती राज विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक

अधिकारियों का जमीनी स्तर पर सक्रिय रहना ही योजनाओं की सफलता की कुंजी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर/जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को उदयपुर प्रवास के दौरान पंचायती राज विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक ली। जिला परिषद सभागार में विभाग की प्रमुख योजनाओं की प्रगति का गहन मूल्यांकन करते हुए अधिकारियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंत्री दिलावर ने स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण), अन्नपूर्णा रसोई (ग्रामीण), अटल ज्ञान केंद्र, प्रधानमंत्री आवास, स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जन स्वावलंबन अभियान सहित अन्य योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, पूर्व उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। संभाग के सभी जिलों के जिला परिषद सीईओ, एसीईओ, बीडीओ और सहायक अभियंता भी बैठक में उपस्थित रहे।

रात्रि विश्राम को लेकर सख्त निर्देश

मंत्री दिलावर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि गांवों की वास्तविक स्थिति समझने के लिए फील्ड में समय देना जरूरी है। उन्होंने प्रतिमाह कम से कम चार रात्रि विश्राम गांवों में अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। यह भी कहा कि अधिकारी सायंकाल 6 बजे से प्रातःकाल 6 बजे तक गांव में ही रुकें, तभी ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं और व्यवस्थाओं की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का जमीनी स्तर पर सरि य रहना ही योजनाओं की सफलता की कुंजी है। रात्रि विश्राम के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने ग्राम पंचायत और ब्लॉक स्तर पर होने वाली जनसुनवाई में अधिकारियों को अनिवार्यतः उपस्थित रहते हुए आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। साथ ही तय बैठकों का नियमित आयोजन कर उसमें स्वीकृतियों के प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिए।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक :– न.पा.ता/2025-26/8544 दिनांक :–30.03.2026

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका क्षेत्र तारानगर के निम्नांकित भूखण्ड धारियो ने 69ए नियमन के तहत पत्रावलियां जमा करवायी गयी है अतः जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस मे सप्रमाण आपति इस कार्यालय मे प्रस्तुत करे। बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क्र. स.	आवेदक का नाम व पिता का नाम	वार्ड नं.	ऑनलाईन आवेदन	आवेदन सं.	कुल तादादी (वर्गगज)	प्रयोजनार्थ
1.	सत्यनारायण पुत्र रामूराम	18	235354	9	140.00	69ए नियमन

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

सम्पादकीय

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने बढ़ाई सरकार की सिरदर्दी

भारत में नया वित्त वर्ष ऐसे समय में आरंभ हो रहा है जब वातावरण में संदेह के बादल इस वर्ष की फरवरी की तुलना में अधिक हैं। फरवरी में वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश किया गया था। दरअसल केंद्र सरकार का राजकोषीय गणित अपेक्षाकृत शांत समय में तैयार किया गया था। उस समय मुद्रास्फीति में कमी आ रही थी और सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के 6.5 फीसदी से अधिक रहने का अनुमान जताया गया था। इस प्रकार बजट सरकार के पूंजीगत व्यय को प्रोत्साहित करने के दृष्टिकोण को बनाए रखने में सक्षम रहा, साथ ही उसने ऋण में कमी का संकेत भी दिया। हालांकि, तब से बीते हफ्तों में ये धारणाएं अब शायद लागू नहीं होतीं। सबसे अस्थिर करने वाला घटनाक्रम निश्चित रूप से पश्चिम एशिया में फैलता हुआ संघर्ष है, जिसने कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा किया है। जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर बमबारी शुरू की थी, तब ब्रेंट क्रूड का एक बैरल केवल 70 डॉलर के आसपास था जो अब 110 डॉलर तक जा पहुंचा है। भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत उससे काफी अधिक है, क्योंकि हमारे देश की निर्भरता खाड़ी स्त्रोतों पर है। यह अस्थिरता निकट भविष्य में जारी रहेगी, क्योंकि अब ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से किसी भी जहाज के आवागमन पर अपना अधिकार जताया है, और यमन में हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाजों के खिलाफ अपना अभियान फिर से शुरू कर दिया है। इसका व्यापक असर व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ेगा। इससे कई क्षेत्र दबाव में आएंगे और वर्ष के लिए सरकार की योजना और अधिक जटिल बन जाएगी। ईंधन की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति पर असर डाल सकती हैं और ऐसे समय में रुपये का अवमूल्यन होने से आयातित मुद्रास्फीति में भी इजाफा हो सकता है। परंतु हमें और भी बातों पर विचार करना होगा। खास तौर से कच्चे माल की कमी कई अहम उद्योगों पर असर डाल सकती है। उदाहरण के लिए उर्वरक उत्पादन गैस की उपलब्धता पर निर्भर है और आने वाले बोआई मौसम में इसकी कमी लागत, मुदास्फीति और यहां तक कि जीवन स्तर तक पर असर डालेगी। श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र उद्योग में पॉलिएस्टर का उपयोग होता है, जो एथिलीन ग्लाइकॉल पर निर्भर है और यह होर्मुज से जुड़ा हुआ है। स्टील, अर्थव्यवस्था की पूंजीगत वस्तुओं की रीढ़ है। उसके लिए चूना पत्थर फ्लक्स की आवश्यकता होती है और इसके आयात का बड़ा हिस्सा खाड़ी के एक ही बंदरगाह से आता है। ऐसे धीमेपन का असर न केवल लागत-प्रेरित मुद्रास्फीति और वृद्धि पर व्यापक आर्थिक प्रभाव डालेगा, बल्कि राज्य के लिए संरक्षण या सब्सिडी की मांग भी बढ़ाएगा। सरकार ने पहले ही उपभोक्ताओं और तेल कंपनियों को इस संकट के कुछ प्रभावों से बचाने के लिए कदम उठाए हैं, जिससे ईंधन लागत में वैश्विक वृद्धि के असर को सीमित किया जा सके। लेकिन यह टिकाऊ नहीं है, और कुछ राजकोषीय प्रभाव पहले से ही अनुमानित किए जा सकते हैं। विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को कम कर दिया गया है, जिसे यदि इसे पूरे वर्ष बनाए रखा जाए तो राजकोष को 1.3 से 1.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। यद्यपि बजट गणना में कुछ आकस्मिकताओं के लिए जगह रखी गई थी लेकिन इस आकार की कटौतियां राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.3 फीसदी तक रखने के लक्ष्य को हासिल करना कठिन बना देंगी।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल : बढ़ा बजट, लेकिन सिस्टम की खामियां बरकरार

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> सरकार की अस्पतालों का निर्माण पूरा करने, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का विस्तार करने और एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं की स्थापना करने पर ध्यान देने की योजना है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दिल्ली सरकार ने 2026-27 के लिए इसी हफ्ते लगभग 1.03 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 13,034 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो चालू वित्त वर्ष के आवंटन से लगभग 1 प्रतिशत अधिक है। सरकार की अस्पतालों का निर्माण पूरा करने, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का विस्तार करने और एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं की स्थापना करने पर ध्यान देने की योजना है।

किंतु भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा हाल ही में जारी 2016-17 से 2021-22 तक की ऑडिट रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में बड़ी कमियां हैं। रिपोर्ट के अनुसार प्रमुख कमियां हैं- 21 प्रतिशत से भी ज्यादा कर्मचारियों की कमी, आवश्यक दवाओं की अनुपलब्धता, अस्पतालों में अत्यधिक भीड़ और धन का इस्तेमाल नहीं होना। प्रति 1,000 लोगों पर अस्पताल के केवल 0.7 बिस्तर होना, सर्जरी के लिए लंबा इंतजार करना और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देर होना शासन एवं क्षमता संबंधी गंभीर समस्याओं की ओर इशारा करते हैं।

लेकिन दिल्ली अपवाद नहीं है। ये समस्याएं पूरे देश में हैं और इनसे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में बड़ी बुनियादी खामी का पता चलता है। स्वास्थ्य पर भारत का सार्वजनिक व्यय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.8 प्रतिशत ही है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के 2.5 प्रतिशत के लक्ष्य से काफी कम है। परिवारों को अब भी स्वास्थ्य सेवा पर 39 प्रतिशत खर्च अपनी जेब से ही करना पड़ता है, जिसमें बड़ा खर्च दवाओं पर होता है। इस कारण स्वास्थ्य सेवा हासिल करना कई परिवारों के वश में ही नहीं रह जाता। प्राथमिक बुनियादी ढांचे में कमियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं, जहां कई स्वास्थ्य केंद्र निर्धारित संख्या से कहीं बड़ी आबादी को सेवाएं प्रदान करते हैं। इस कारण भीड़भाड़ बढ़ती है और सेवा की गुणवत्ता कम होती है। भारत में भी प्रति 1,000 लोगों पर अस्पताल के केवल 1.4 बिस्तर उपलब्ध हैं, जो 3.5 के वैश्विक औसत से काफी कम है।

मानव संसाधन की कमी बड़ी बाधा है। भारत में प्रति 1,263 लोगों पर एक डॉक्टर है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रति 1,000 लोगों पर 1 डॉक्टर होना चाहिए। विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी ग्रामीण क्षेत्रों में काफी ज्यादा है, जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञों के लगभग 70 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जो पिछले वर्ष से 10 प्रतिशत अधिक है। इसका एक बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को दिया गया है और उसके बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान तथा मेडिकल कॉलेजों जैसे स्वायत्त संस्थानों को धनराशि आवंटित की गई है।

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के लिए आवंटन बढ़ा है। लेकिन कई योजनाओं में धनराशि का कम उपयोग हुआ है, जो प्रशासनिक और कार्यान्वयन संबंधी बाधाओं को दर्शाता है। मोटे तौर पर यही लगता है कि भारत में स्वास्थ्य की चुनौती अधिक खर्च करने की ही नहीं है बल्कि बेहतर ढंग से खर्च करने की भी है। धनराशि का कम उपयोग, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देर, कर्मचारियों की किल्लत और दवा खरीद में विफलताएं ऐसे प्रशासनिक मुद्दे हैं जिन पर प्रशासन को ध्यान देने की आवश्यकता है। बड़े अस्पतालों में भीड़ कम करने के लिए विकेंद्रीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करना, विशेष रूप से स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करना बहुत जरूरी है। भारत में लगभग 1.8 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं, लेकिन ये कारगर तभी होंगे, जब इनमें पर्याप्त कर्मचारी तथा दवा होंगी।

केंद्र-राज्य समन्वय बढ़ना भी जरूरी है। अंत में भारत की आर्थिक वृद्धि और जनसंख्या संबंधी लाभ उसके कार्यबल के स्वास्थ्य पर निर्भर करते हैं। इसलिए दिल्ली में हुए ऑडिट के निष्कर्षों को पूरे भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रशासन की प्रणालीगत कमजोरियों के बारे में एक चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है। अभी अधिक कुशल, जवाबदेह और सुलभ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली बनाने की जरूरत है।

ईंधन की आत्मनिर्भरता

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

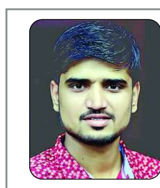

राहुल भारद्वाज
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अमेरिकी प्रशासन ने ईरान के साथ दुश्मनी खत्म करने के लिए 15 बिंदुओं वाला एक एजेंडा भेजा है। इसे लेकर तेल और गैस बाजारों ने आशावादी प्रतिक्रिया दी है। इस खबर के सामने आने के बाद ईरान के अधिकारियों ने जो बयान दिए हैं उसने इन उम्मीदों में और इजाफा किया है। उन्होंने कहा है कि वे गैर दुश्मन मुल्कों के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने देंगे बशर्ते वे ईरान से संपर्क बनाए रखें और इसकी इजाजत हासिल करें। यह समझना आसान है कि इन संकेतों को खाड़ी में हफ्तों से जारी संकट के अंत और जीवाश्म ईंधन बाजार में सामान्य हालात की वापसी के रूप में देखा जा रहा लेकिन अमेरिका ईरान और इजरायल से जुड़े सभी पक्षों के अप्रत्याशित स्वभाव को देखते हुए यह अपेक्षा करना शायद कुछ ज्यादा ही होगा। ठोस ढंग से कहें तो भारत को आने वाले समय में आयातित ऊर्जा के लिए अपेक्षा से अधिक कीमतें चुकानी पड़ सकती हैं। कारोबारी मार्गों को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का एक असर यह हुआ है कि कुछ बाजार जो पहले वैश्विक स्वरूप में थे मसलन कच्चे तेल का बाजार आदि, अब उनकी क्षेत्रीय कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव नजर आ रहा है। उदाहरण के लिए भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र का तेल मूल्य टेक्सस या उत्तरी सागर के तेल कीमतों की तुलना में कहीं अधिक मायने रखता है। कुछ अनुमानों के अनुसार, आने वाले कुछ महीनों के बड़े हिस्से में इंडियन बास्केट कच्चे तेल की कीमत पिछले कई महीनों की तुलना में लगभग दोगुनी हो सकती है। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि यदि ऐसा होता है तो आम परिवारों और सरकार दोनों की वित्तीय स्थिति पर भारी दबाव पड़ेगा। भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था में ऊर्जा की कीमतों में तेज उछाल से संकट पैदा होने का खतरा नया नहीं है। ऐसा पहले भी हो चुका है। हम 2013 में, 1999 में और उससे पहले भी ऐसे हालात झेल चुके हैं। इससे निपटने के लिए अधिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही एकमात्र उपाय है लेकिन उसे तत्काल लागू नहीं किया जा सकता है। हालांकि, वर्तमान सरकार के पास ऐसा करने के लिए एक दशक से अधिक का समय रहा है। साल 2014 में सत्ता में आने के बाद से इसे अपेक्षाकृत लंबे समय तक प्रबंधनीय ऊर्जा कीमतों का लाभ मिला। इस अवधि में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में कुछ कदम उठाए गए जैसे नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य। लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में नवीकरणीय ऊर्जा जीवाश्म ईंधन का पर्याप्त विकल्प नहीं है, विशेषकर बिजली की बेस लोड आवश्यकता के लिए, और आने वाले कई वर्षों तक भी नहीं होगी। इसलिए तेल और गैस की घरेलू खोज, उत्पादन और प्रसंस्करण बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। दुर्भाग्यवश इस अहम मानक पर सरकार पीछे रह गई है। उत्खनन नीति में कुछ अग्रगामी बदलावों के प्रयासों के बावजूद उत्पादन 2014 के बाद से 30 फीसदी कम हुआ है। यह तब है जबकि घरेलू मांग में लगातार इजाफा हुआ है। 2016 में नई उत्खनन और लाइसेंसिंग नीति की शुरुआत ने न तो उत्पादन में ठोस वृद्धि की और न ही व्यावसायिक रुचि आकर्षित की। उत्पादन साझेदारी को राजस्व साझेदारी से बदल दिया गया, लेकिन इसका अर्थ यह हुआ कि कंपनियों को परियोजना की समय-सीमा में बहुत बाद में राजस्व प्राप्त होता।

आखर-आखर झरे उजियार

भयमुक्ति में ही निहित है, मन का सुकून

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

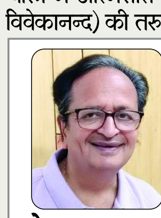

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

स्वामी विवेकानन्द के जीवन प्रसंगों में एक प्रसंग ऐसा भी आया है जब उन्होंने अभय के गुण विशेष को अपने चरित्र में आत्मसात किया। सम्भवतः नरेन्द्र (बाद में विवेकानन्द) की तरुणाई की उम्र रही होगी। वो काशी स्थित दुर्गा माँ के मन्दिर से दर्शन कर लौट रहे थे कि बन्दरों की टोली उनके पीछे पड़ गई। वो भागने लगे। मन्दिर के पुजारी ने टोका, भैया! भागो मत। उनकी तरफ़ उन्मुख होकर खड़े हो जाओ। सामना करो। उनकी तरफ़ देखो। नरेन्द्र ने वानर टोली के सरदार की आंखों में झाखा और आत्म विश्वास से उन्हें भगाने का इशारा किया। ऐसा करते ही बन्दरों की टोली हमला करने की बजाय पीछे लौट गई। स्वामी जी देश के युवाओं को निडरता की प्रेरणा दिया करते थे। उनका मानना था कि अभय ऐसा गुण है, जो हर युवक में प्रतिबिंबित होना चाहिए। उनका कहना था कि दुनिया एक व्यायामशाला है,जहां हम बलवान बनने के लिए आते हैं। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि उठो, जागो ! निर्भीक बनो। सम्पूर्ण उत्तरदायित्व अपने कन्धों पर सम्भालो। समझ लो कि तुम ही अपने भाग्य विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए, वह सब तुम्हारे अंदर ही है। अतः अपना भविष्य स्वयं बनाओ।

भय मुक्ति में ही निहित है, मन का सुकून। अक्सर हम अनेक प्रकार के भय बंधन से घिरे रहते हैं। जैसे परीक्षा परिणाम का भय, निकट सम्बन्धी से बिछुड़ने का भय, अपमान का भय, बीमारी का भय, धन लुट जाने का भय, प्रेम से वंचित रह जाने का भय, नौकरी छूट जाने का भय, सामाजिक असुरक्षा का भय, दुर्घटनाग्रस्त होने का भय, आकस्मिक विपदा का भय, दैहिक, दैविक और भौतिक ताप का भय और सबसे बड़ा भय है मृत्यु का भय। मौत के डर की कल्पना मात्र से हम कम्पित हो जाते हैं।

यह सब जानते हुए भी कि दुनिया में जो भी आया है, वो निश्चित जाएगा। फिर भी हम सोचते हैं कि हम जिंदा रहेंगे। यक्ष के अनेक प्रश्नों में एक प्रश्न यह भी था कि इस जगत में सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है?

युधिष्ठिर ने उत्तर दिया था कि इस धरती पर मनुष्य प्रतिदिन लाखों जीवों को काल का ग्रास बनते देखता है,फिर भी यही सोचता है कि उसे तो हमेशा जीवित रहना है। वो अजर अमर है।

किसी शायर ने क्या खूब कहा है-

बर्बाद ठोकर से न कर तू इन मजारों को,
इस शहर-ए- खामोशा को हमने मर मर के बसाया है।

जिन्दगी किसी के लिए बेहतरीन ख्वाब हो सकती है, किसी के लिए दु:स्वप्न हो सकती है और किसी के लिए कटु अनुभूति। लेकिन मृत्यु अटल सत्य है, इसे नकारा नहीं जा सकता। इस लिए इस सत्य से क्या डरना? पृथ्वी, जल, अग्नि, पवन और आकाश... इन पंच तत्वों से शरीर बना है। इन तत्वों का बिखर जाना ही तो मृत्यु है। इस धरा पर जन्म लेना अपने हाथ में नहीं है। मौत भी अपनी मर्जी से आती है। अपने वश में कुछ भी तो नहीं।

लाई हयात आए, कजा ले चली चले।
न अपनी खुशी आए न अपनी खुशी चले।

कोई अज्ञात सत्ता सबको संचालित कर रही है। सृष्टि चक्र को घुमा रही है। हम कभी दर्शक बन जाते हैं, कभी दृश्य। इंसान जैसे रेलगाड़ी का मुसाफिर है,जिसे अपना स्टेशन आने पर उतर जाना होता है। इसलिए मौत से डर कैसा?

गीता में तो भगवान आश्वस्त करते हैं कि तुम आत्म स्वरूप हो जिसे न तो कोई शस्त्र छेद सकता है, न कोई अग्नि उसे जला सकती है। न कोई जल उसे गला सकता है। और न कोई वायु उसका शोषण कर सकती है।

बोर्ड कक्षा परिणाम-धड़कनों में बसते सपनों की कहानी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सुमन राठौड़
साहित्यकार
@jagrukjanta.net

बोर्ड कक्षाओं का परिणाम केवल एक अंकपत्र नहीं होता, यह उन अनगिनत सपनों की कहानी होता है जो पूरे वर्ष विद्यार्थियों की आंखों में पलते हैं। परीक्षा के दिनों में देर रात तक जलती रोशनी, किताबों के पन्नों की सरसराहट, माता-पिता की उम्मीद भरी निगाहें और शिक्षकों की प्रेरणा- सब मिलकर एक ऐसा भावनात्मक संसार रचते हैं, जिसका अंतिम पड़ाव परिणाम का दिन होता है। जैसे-जैसे परिणाम की तिथि नजदीक आती है, विद्यार्थियों के मन में हलचल बढ़ने लगती है। दिल की धड़कनें तेज हो जाती हैं, मन में बार-बार वही प्रश्न उठता है - "पता नहीं परिणाम कैसा आएगा?" कोई चुपचाप प्रार्थना करता है, कोई भगवान को याद करता है, तो कोई अपने परिश्रम को याद कर स्वयं को ढांढस बंधाता है। जब परिणाम घोषित होता है, तो कई घरों में खुशियों की लहर दौड़ जाती है। माता-पिता की आंखों में गर्व के आंसू चमक उठते हैं और विद्यार्थी की मेहनत रंग लाती है। लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनकी उम्मीदें पूरी नहीं हो पातीं। उस समय उनकी आंखों में छिपी पीड़ा और निराशा भी उतनी ही सच्ची होती है। ऐसे समय में हमें यह समझना चाहिए कि जीवन की राह केवल अंकों से नहीं बनती। असली सफलता उस साहस में है, जो गिरकर भी फिर से उठने की ताकत देता है। एक परीक्षा का परिणाम किसी विद्यार्थी की क्षमता का अंतिम निर्णय नहीं होता। माता-पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है कि वे बच्चों को यह विश्वास दिलाएं कि उनका साथ हर परिस्थिति में उनके साथ है। यदि बच्चे को प्रेम, विश्वास और प्रोत्साहन मिले, तो वह हर असफलता को भी सफलता की सीढ़ी बना सकता है। बोर्ड कक्षाओं का परिणाम हमें यही सिखाता है कि जीवन में अंक महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन उनसे भी अधिक महत्वपूर्ण है आत्मविश्वास, परिश्रम और सपनों को सच करने का साहस। यही साहस विद्यार्थियों को जीवन की हर परीक्षा में सफल बनाता है।

ओपिनियन : संघर्ष से संकल्प तक: कलम से शुरू हुआ बदलाव का सफर

एक पत्रकार से "कंज्यूमर मैन" बनने की प्रेरक यात्रा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

एक साधारण शुरुआतः एक छोटे और साप्ताहिक अखबार से लिखने वाला पत्रकार, लेकिन सोच असाधारण थी। यह कहानी है डॉ. अनन्त शर्मा की, जिन्होंने अपनी कलम को केवल खबरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे आम उपभोक्ता की आवाज बना दिया। शुरुआत में वे छोटे-छोटे मुद्दों को उठाते रहे, कभी किसी गरीब उपभोक्ता के साथ धोखा, तो कभी किसानों की समस्याएं। धीरे-धीरे वे इन मुद्दों से जुड़ते गए, उन्हें समझते गए और फिर उनके समाधान के लिए संघर्ष करते हुए एक आंदोलन का चेहरा बन गए। गत चार दशकों में गांव की चौपाल से लेकर दुनिया के बड़े वैश्विक मंचों तक ग्राहक हित की आवाज बुलंद करते यह पत्रकार उपभोक्ता आंदोलन का पर्याय बन गया - पूरी दुनिया उन्हें आज "कंज्यूमर मैन ऑफ इंडिया" के नाम से जानती है । दुनिया के 15 से अधिक देशों में उपभोक्ता आंदोलन का झंडा बुलंद कर चुके डॉक्टर अनंत शर्मा की हिंदुस्तान के कौने कोने में उपभोक्ताओं को जागरूक करने की सोच ने जन्म दिया एक विराट महाअभियान को–"उपभोक्ता जागरूकता भारत यात्रा"। कंज्यूमर कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में यह यात्रा पूरे देश में एक नई चेतना लेकर आई।

एक ऐतिहासिक पहल

कंज्यूमर कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (CCI) द्वारा संचालित इस अभियान के तहत देश के सभी 28 राज्यों और विभिन्न केंद्र शासित प्रदेशों में "उपभोक्ता जागरूकता भारत यात्रा" आयोजित की गई और इसके तहत 135 शहरों में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत 24 दिसंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम से केंद्रीय मंत्री Pralhad Joshi द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई। लगभग 20 हजार किलोमीटर की लंबी सड़क यात्रा के बाद इसका समापन 16 मार्च को नई दिल्ली के रेडिसन ब्लू होटल में हुआ। इस यात्रा न केवल उपभोक्ता जागरूकता के अपने अभियान में सफल हुई बल्कि इसने एक व्यापक जनांदोलन का रूप ले लिया।

ऐसे हुई यात्रा की शुरुआत

डॉ. शर्मा बताते हैं, कानून बनने के बाद भी, उसकी जानकारी अगर आमजन तक न पहुंचे, तो उसका कोई अर्थ नहीं। गरीब, किसान और गांवों में रहने वाले लोग आज भी अपने अधिकारों से अनजान हैं, उन सभी उपभोक्ताओं तक उनके अधिकारों की बात पहुंचाने की उनकी सोच उनके भीतर एक मिशन बन गई। उन्होंने ठाना कि देश के कोने-कोने तक उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी पहुंचानी है, ताकि हर व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो और शोषण से मुक्त बाजार व्यवस्था का निर्माण हो सके। इसके बाद इस यात्रा की शुरुआत की गई।

रास्ते कठिन थे, लेकिन हौसले उससे भी मजबूत

डॉ. अनंत शर्मा आगे कहते हैं, इस यात्रा में चुनौतियां कम नहीं थीं– भाषा की विविधता, मौसम की कठिनाइयां और कई जगहों पर संगठन के सदस्यों की कमी।लेकिन जब उद्देश्य बड़ा हो, तो रास्ते अपने आप बन जाते हैं। डॉ. शर्मा और उनकी टीम ने हर बाधा को पार किया, हर नए स्थान पर लोगों से जुड़ने की कोशिश की, और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

जब आंदोलन बना जन-जन की आवाज

दिल्ली, जयपुर, कोटा, भोपाल, इंदौर जैसे शहरों से लेकर अहमदाबाद, सूरत, मुंबई, पणजी और बेंगलुरु तक–हर जगह लोगों ने इस अभियान को खुले दिल से अपनाया।पूर्वोत्तर भारत के गुवाहाटी और रायपुर में आयोजित कार्यक्रमों ने इसे और भी व्यापक बना दिया। कोलकाता, भुवनेश्वर, पटना, लखनऊ, देहरादून, जम्मू, श्रीनगर, शिमला, चंडीगढ़ कुरुक्षेत्र और देश के सभी राज्यों की राजधानी हर जगह एक ही संदेश गूंजा–"जागो ग्राहक जागो"लोगों का उत्साह इतना था कि चेन्नई में करीब 4000 लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर सीसीआई का लोगो तैयार किया, जो एक विश्व रिकॉर्ड बन गया।

प्यार, समर्थन और एक अमिट अनुभव

इतनी लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा के बावजूद थकान कभी महसूस नहीं हुई, क्योंकि हर कदम पर लोगों का अपार प्यार, विश्वास और समर्थन साथ रहा। जहां-जहां यह कारवां पहुंचा, वहां लोगों ने खुले दिल से स्वागत किया और अपने अधिकारों को जानने की उत्सुकता दिखाई। यही अपनापन इस यात्रा की सबसे बड़ी ताकत बना। हर राज्य की मिट्टी अपने साथ लेकर लौटना केवल एक प्रतीक नहीं था, बल्कि पूरे देश की भावनाओं, संस्कृति और जुड़ाव को अपने भीतर समेटने जैसा अनुभव था। इसने इस यात्रा को एक साधारण अभियान से कहीं बढ़कर एक भावनात्मक और यादगार सफर बना दिया। *- राखी सोनी*

पंचांग

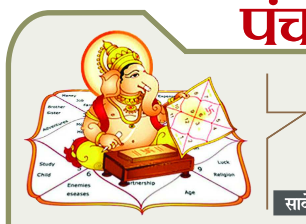

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 01/04/2026

सूर्योदय : 06:21 **सूर्यास्त** : 18:40 **चन्द्रोदय** : 18:11 **चन्द्रास्त** : 05:38 **शक सम्वत** : 1948 पराभव **विक्रम संवत** : 2083 सिद्धार्थी **प्रविष्ठे/गते** : 18 **अमान्ता महीना** : चैत्र **पूर्णिमांत** : चैत्र **सूर्य राशि** : मीन **चन्द्र राशि** : कन्या **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : चतुर्दशी, 07:06 तक **वार** : बुधवार **द्रिक-वैदिक ऋतु** : वसन्त **द्रिक-वैदिक अयन** : उत्तरायण **कलियुग** : 5127

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तर फाल्गुनी, 16:16 तक
योग : वृद्धि, 14:49 तक
प्रथम करण : वणिजा, 07:06 तक
द्वितीय करण : विष्टि, 19:24 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:39 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:02 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:30 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:38 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:39 पी एम से
अमृत काल	08:48 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:2 ए एम, अप्रैल 2 से
सर्वार्थ सिद्धि योग	04:17 पी एम से
रवि योग	06:11 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : चन्द्र
अग्निवास : पृथ्वी

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:20 - 07:53	उद्वेग	: 18:39 - 20:06
अमृत	: 07:53 - 09:25	शुभ	: 20:06 - 21:34
काल काल वेला	: 09:25 - 10:57	अमृत	: 21:34 - 23:01
शुभ	: 10:57 - 12:30	चर	: 23:01 - 00:29
रोग वार वेला	: 12:30 - 14:02	रोग	: 00:29 - 01:57
उद्वेग	: 14:02 - 15:34	काल	: 01:57 - 03:24
चर	: 15:34 - 17:06	लाभ	: 03:24 - 04:52
लाभ	: 17:06 - 18:39	उद्वेग	: 04:52 - 06:19

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्दशी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्दशी भी रिक्ता तिथि है इसलिए इस दिन भी कोई भी नया, मांगलिक कार्य वर्जित है ।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

चैत्र, शुक्ल, चतुर्दशी, 2083 बुधवार, 01 अप्रैल - 07 अप्रैल, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
वाणी पर नियंत्रण रखें। क्लेश से बचें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
दूर से अच?छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। क्लेश रहेगा, वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
विवाद को बढ़ावा न दें। हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। लाभ के अवसर आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

खरीफ 2026: उर्वरकों के संतुलित उपयोग व जैविक खेती की विधियों को बढ़ावा देने हेतु आईसीएआर संस्थानों व केवीके के वैज्ञानिकों के साथ राज्य स्तरीय बैठक

प्रदेश में वर्तमान में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता- राजपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खरीफ 2026 के दौरान उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देने, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से प्रमुख शासन सचिव, कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में हाईब्रिड मोड में राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि वर्तमान में राज्य में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जिसमें यूरिया 3.76 लाख मैट्रिक टन, डीएपी 0.83 लाख मैट्रिक टन, एनपीके 0.66 लाख मैट्रिक टन एवं एसएसपी 1.97 लाख मैट्रिक टन शामिल हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। भारत सरकार द्वारा खरीफ 2026 के लिए राज्य हेतु यूरिया 11.00 लाख मैट्रिक टन, डीएपी 5.10 लाख मैट्रिक टन, एसएसपी 4.00 लाख मैट्रिक टन एवं एनपीके 1.50 लाख मैट्रिक टन की आपूर्ति की जाएगी। मंजू राजपाल ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि को टिकाऊ, लाभकारी एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में ठोस प्रयास आवश्यक हैं। इसके लिए उर्वरकों का संतुलित उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश का संतुलित अनुपात में उपयोग करने के साथ-साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जाए।

धरती माता बचाओ' अभियान से व्यापक जागरूकता

उन्होंने बताया कि कृषक को भूमि में उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करने, अनुदानित उर्वरकों का औद्योगिक प्रयोग व राज्य से बाहर परिगमन रोकने के उद्देश्य से कृषकों को जागरूक करने के लिए भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए "धरती माता बचाओ अभियान" के तहत ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर अप्रैल माह से अभियान आयोजित किए जाएंगे।

जैविक खेती, प्राकृतिक खेती एवं हरी खाद पर विशेष जोर

उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के वैकल्पिक संसाधनों जैसे हरी खाद, कंपोस्ट व देसी खाद, जैविक उर्वरक, फसल चर में दलहनी फसलों के उपयोग, फसल अवशेष प्रबंधन,प्राकृतिक व जैविक खेती की विधियों के प्रचलन को प्रोत्साहित किए जाने पर जोर जैविक खेती, प्राकृतिक खेती एवं हरी खाद के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है, जिसे रोकना अत्यंत आवश्यक है।

प्रमुख शासन सचिव राजपाल ने निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारी एवं संस्थाएं समन्वय स्थापित करते हुए जमीनी स्तर पर प्रभावी ि यान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि किसानों को उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित किया जा सके और मृदा स्वास्थ्य में सुधार हो। उन्होंने कहा कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने से न केवल लागत में कमी आएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं कृषि की दीर्घकालीन स्थिरता भी सुनिश्चित होगी।

उन्होंने कहा कि जैविक व प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 में 2 हजार क्लस्टर (50 हेक्टेयर /क्लस्टर) के अनुसार एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया गया, जिसमें 2 लाख 50 हजार किसान जुड़े। इसी प्रकार वर्ष 2026-27 में एक हजार क्लस्टर और एक लाख 25 हजार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जाएगा। 3 हजार 600 प्रशिक्षित कृषि सखी एवं आत्मा योजना में चिन्हित 10 हजार कृषक मित्रों द्वारा जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रचार-प्रसार कर किसानों में जागरूकता पैदा की जा रही है। परंपरागत कृषि विकास योजना में वर्ष 2026ङ्क27 में एक हजार क्लस्टर के 20 हजार किसानों को जैविक खेती से जोड़ा जाएगा।

राजपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर कृषक गोष्ठियों, कृषक प्रशिक्षण कार्यर मों, रात्रि चौपालों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। इसके साथ ही प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी उर्वरकों के संतुलित उपयोग एवं जैविक विकल्पों के बारे में प्रभावी प्रचार-प्रसार किया जाए।

बैठक में आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल, निदेशक आत्मा हिरेंद्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) हुशियार सिंह, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस एस शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) अजय कुमार पचौरी सहित सभी आईसीएआर संस्थानों के प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र (KVK) के प्रभारी, कृषि विश्वविद्यालयों के प्रसार शिक्षा निदेशक, खण्डीय अतिरिक्त निदेशक कृषि, संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एवं जिला परिषदों के प्रतिनिधियों ने वी सी के माध्यम से भाग लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर फोड़ा ठीकरा

चौंप स्टेडियमः 36 महीने से अधूरा है राजस्थान का 'ड्रीम प्रोजेक्ट'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान को क्रिकेट की दुनिया में सिरमौर बनाने वाला 'ड्रीम प्रोजेक्ट' क्या अब सिर्फ राजनीति की भेंट चढ़कर रह जाएगा? जयपुर के चौंप में बन रहे दुनिया के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का काम जिस तरह से अटका पड़ा है, उसने एक बड़े सियासी विवाद को जन्म दे दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे लेकर वर्तमान भाजपा सरकार पर अब तक का सबसे बड़ा और तीखा हमला बोला है। गहलोत ने अपनी सोशल मीडिया सीरीज 'इंतज़ारशास्त्र' का छठा चैप्टर (Intezaarshastra Chapter 6) शनिवार दोपहर जारी करते हुए सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए हैं और पूछा है कि क्या भाजपा को राजस्थान का नाम चमकना पसंद नहीं है?

24 महीने की डेडलाइन, 36 महीने बीते

अशोक गहलोत ने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए बताया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में इस अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की नींव रखी गई थी। 5 फरवरी 2022 को इसका भव्य शिलान्यास हुआ था। तय योजना के मुताबिक, 24 महीने के भीतर यानी फरवरी 2024 तक इसके पहले फेज का काम पूरा होना था। लेकिन हकीकत चौंकाने वाली है।

करोड़ों का नुकसान, जनता उठा रही खामियाजा

निर्माण शुरू हुए 36 महीने से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन प्रोजेक्ट आज भी अधर में है। गहलोत ने चिंता जताते हुए कहा कि काम में हो रही इस भारी देरी से निर्माण लागत लगातार बढ़ रही है। और अंततः इस अतिरिक्त आर्थिक बोझ का खामियाजा राजस्थान की आम जनता और खेल प्रेमियों को ही उठाना पड़ेगा।

खेल-विरोधी सोच या राजनीतिक द्वेष?

पूर्व सीएम ने सीधे तौर पर इसे भाजपा सरकार की 'खेल-विरोधी सोच' और 'राजनीतिक द्वेष' का नतीजा बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की मौजूदा सरकार न केवल स्वास्थ्य और विकास परियोजनाओं की अनदेखी कर रही है, बल्कि खेल सुविधाओं को लेकर भी उनकी भारी अरुचि साफ नजर आ रही है। गहलोत ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि पिछले सवा दो साल में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (RCA) की भी दुर्गति हो गई है। हालत यह है कि चुनाव कराकर अब तक एक नया अध्यक्ष तक नहीं बनाया जा सका है।

75 हजार दर्शकों की थी क्षमता

बता दें कि जयपुर में आरसीए के पास अपना खुद का अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम नहीं था। इसी कमी को दूर करने के लिए चौंप में यह मेगा प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। पहले फेज में इसकी क्षमता 45 हजार दर्शकों की तय की गई थी, जिसे दूसरे फेज में बढ़ाकर 75 हजार किया जाना था। अगर यह समय पर पूरा होता, तो यह देश का दूसरा और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होता।

जयपुर एयरपोर्ट पर बढ़ेंगी उड़ानें, 26 शहरों से होगी कनेक्टिविटी

हर हफ्ते 750 घरेलू और 74 अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इस गर्मी के मौसम में एयर कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। दो दिन बाद यानी 29 मार्च से 24 अक्टूबर तक चलने वाले समर शेड्यूल में प्रति सप्ताह 750 घरेलू और 74 अंतरराष्ट्रीय एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स का संचालन होगा। जानकारी के अनुसार, 2026 के गर्मी शेड्यूल में पिछले साल 2025 की तुलना में एयर कनेक्टिविटी में 7.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

ट्रैफिक मूवमेंट्स बढ़ने से विकल्प भी ज्यादा

अब जयपुर एयरपोर्ट 26 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय डेस्टिनेशन से जुड़ गया है, जिससे राजस्थान की हवाई कनेक्टिविटी और बेहतर हो गई है। नए शेड्यूल के तहत प्रतिदिन कुल 118 एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स होंगे। इससे यात्रियों को को ज्यादा उड़ान विकल्प मिलेंगे। साथ ही बेहतर कनेक्टिविटी और घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय डेस्टिनेशन में यात्रा अधिक सुगम और आरामदायक होगी।

खासतौर पर डिजाइन किया गया शेड्यूल

गर्मी के मौसम में बढ़ती पर्यटक आवाजाही को देखते हुए यह शेड्यूल खासतौर पर फायदेमंद साबित होगा। घरेलू उड़ानों का संचालन इंडिगो, एयर इंडिया, स्पाइसजेट, एलायंस एयर, स्टार एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस करेगा। जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में एतिहाद एयरवेज, एयर इंडिया एक्सप्रेस, थाई एयरएशिया, स्पाइसजेट, सलाम एयर और एयर अरेबिया शामिल होंगे। एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि बेहतर कनेक्टिविटी से यात्रा सुगम, सुरक्षित और आरामदायक बनेगी।

आज से रणथंभौर में बाघों का दीदार 10 प्रतिशत महंगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रणथंभौर टाईगर रिजर्व में बाघों का दीदार और सफारी करना अब पहले से अधिक महंगा हो गया है। 1 अप्रैल 2026 से वन विभाग ने सफारी शुल्क में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। रणथंभौर सहित प्रदेश के सभी राष्ट्रीय उद्यान व बाघ परियोजना क्षेत्रों, वन्यजीव अभ्यारण्यों एवं संरक्षित क्षेत्रों के लिए पर्यटक प्रवेश शुल्क में एक अप्रैल 2026 से अभिवृद्धि की गई है। इसे लेकर आदेश जारी कर दिया गया है।

अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक राजस्थान जयपुर ने आदेशों के बारे में बताते हुए कहा कि राज्य के राष्ट्रीय उद्यानों व क्रिटीकल टाइगर हैबीटाट बाघ परियोजना क्षेत्रों, वन्यजीव अभ्यारण्यों एवं संरक्षित क्षेत्रों के लिए पर्यटक प्रवेश शुल्क, पर्यटक वाहन प्रवेश शुल्क, बोट व इलेक्ट्रिक वाहन वाहन प्रवेश शुल्क, बोटिंग शुल्क, कैमरा फीस की दरें मय ईको डवलपमेंट सरचार्ज के 31 मार्च 2026 तक प्रभावी की गई थी. अग्रिम आदेशों तक दरों में 10 प्रतिशत वृद्धि प्रति दो वर्ष करने के लिए निर्देशित किया गया है, जिसके अनुसार संशोधित दरें 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2028 तक प्रभावी रहेगी।

पुरानी दरें: भारतीय (जिप्सी): 1456 रुपये, विदेशी (जिप्सी): 2744, भारतीय (केंटर): 889 रुपये, विदेशी (केंटर): 2177 रुपये, विद्यार्थी: जिप्सी 1320 रुपये, केंटर: 757

रणथंभौर टाइगर रिजर्व के बाघ आवास क्षेत्र के लिए प्रति व्यक्ति अतिरिक्त प्रवेश शुल्क

भारतीय: 90 रुपये, इको डवलपमेंट **सरचार्ज** : 125 रुपये, कुल: 215 रुपये

विदेशी : 690 रुपये, इको डवलपमेंट **सरचार्ज** : 885 रुपये, कुल: 1575 रुपये

भारतीय विद्यार्थी : 40, इको **डवलपमेंट सरचार्ज** : 25 रुपये, कुल 65 रुपये।

जन्तर-मन्तर पर यंत्रों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को किया परिभाषित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग और पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में एस्ट्रों नाईट स्काई ट्यूरिज्म कार्यक्रम के अंतर्गत बीते दिनों बसंत सम्पात / विषुव (स्प्रिंग इक्विनोक्स) के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशी और विदेशी पर्यटकों को जंतर मंतर में स्थित यंत्रों के माध्यम से विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई व यंत्रों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में जंतर मंतर के व्याख्यान केन्द में विषय विशेषज्ञ प्रीति वैष्णव एवं गोविन्द दाधिच द्वारा बसंत सम्पात/ विषुव (स्प्रिंग इक्विनोक्स) विषय पर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। विषय विशेषज्ञ राहुल शर्मा द्वारा सूर्य जब अपनी चरम उँचाई पर था तब जंतर मंतर में स्थापित षष्ठांश यंत्र व दक्षिणोभित्ति यंत्र को समझाया गया, नाडीवलय यंत्र के द्वारा सूर्य का उत्तरी गोलार्द में प्रवेश को दर्शाया गया। षष्ठांश यंत्र पर दोपहर 12:32 पर सूर्य का प्रकाश 0 डिग्री पर मापा गया। आज के दिन सूर्य पृथ्वी के विषुवत रेखा पर लम्बवत रहता है जिस कारण दिन और रात का समय बराबर होता है। ऐसा एक वर्ष में 2 बार होता है।

आज से धीरे-धीरे दिन का समय बढ़ने लगेगा और रात का समय कम होने लगेगा। दिन ओर रात का यही क्रम 21 जून तक चलेगा। जंतर मंतर अधीक्षक प्रतिभा यादव के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौसम खराब होने के कारण उच्च स्तरीय टेलीस्कोप द्वारा रात्रि आकाश दर्शन का कार्यक्रम विभाग द्वारा निरस्त कर दिया गया।

जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज www.facebook.com/jagrukjantanews
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता

सड़क सुरक्षा जागरूकता

सड़क सुरक्षा पर सीनियर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने दिया व्याख्यान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बाल निवास उद्यान, सिविल लाइंस मेट्रो स्टेशन, जयपुर में नवजीवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सोडाला, जयपुर के विद्यार्थियों के लिए वार्षिकोत्सव के मौके पर सड़क सुरक्षा पर विद्यार्थियों के लिए यातायात नियमों की जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संसाधक व मुख्य वक्ता प्रादेशिक परिवहन कार्यालय सेकंड जयपुर में इंस्पेक्टर दिनेश सिंह रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता Road Safety e&pert इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित स्टाफ को सड़क सुरक्षा नियम, हेलमेट/सीट बेल्ट का महत्व, वाहन गति नियंत्रण, लेन-अनुशासन, मोबाइल उपयोग न करना, नशे में वाहन न चलाना, वाहन फिटनेस, मेनटेनेंस, पंजीयन, BH सीरीज रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस, गुड Samaritan, रोड सिग्नल, मोटर व्हीकल ड्राइविंग रेग्यूलेशन 2017, एवं यातायात नियमों जैसी विषय वस्तु पर सड़क सुरक्षा जागरूकता पर व्याख्यान दिया गया। स्कूल के निदेशक सीताराम सूद एवं प्रिंसिपल जतिन सूद ने सीनियर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को माला पहनाकर एवं शॉल, साफा व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों के उल्लंघन से संबंधित चिंताजनक आंकड़ों तथा उनसे होने वाली दुर्घटनाओं और जनहानि के बारे में जानकारी दी। अंत में दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई, जिसमें यातायात नियमों का ईमानदारी से पालन करने और जागरूकता फैलाने का विद्यार्थियों ने संकल्प लिया।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 की अंतिम ट्रेन रवाना

कुमावत ने रामेश्वरम के लिए ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025-26 के तहत मंगलवार को जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम-मदुरई के लिए विशेष ट्रेन को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंत्री कुमावत ने वरिष्ठजनों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 के तहत यात्रा के लिए यह अंतिम ट्रेन थी। इसमें जयपुर, कोटा व भरतपुर संभाग के कुल 990 वरिष्ठजन रामेश्वरम-मदुरई के लिए रवाना हुए हैं। दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से 400 यात्री, सवाईमाधोपुर से 120 व कोटा रेलवे स्टेशन से 470 यात्री सवार हुए। यह ट्रेन दो अप्रैल को रामेश्वरम पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव रामेश्वरम में एक दिन का होगा।

सौ दर्द 100 राहतें

दर्द कभी शरीर की चेतावनी होता है तो कभी गंभीर बीमारी का संकेत भी। ऐसे पहचानें हर दर्द को:

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

दर्द शरीर की सबसे सशक्त भाषा है। जब शरीर किसी असंतुलन, चोट, बीमारी या तनाव का सामना करता है तो वह शब्दों में नहीं बल्कि दर्द के ज़रिए बताता है। जैसे फीवर कोई बीमारी नहीं है बल्कि लक्षण है। फीवर यानी बुखार तब आता है जब कोई वायरस, बैक्टीरिया आदि शरीर में पहुंचकर हमें बीमार करता है और शरीर के सैनिक यानी ऐंटिबॉडी रोक पाने में सफल नहीं हो पाते तो शरीर अपना तापमान बढ़ाकर (बुखार लाकर) इनका उत्पादन कम करता है।

ठीक उसी तरह शरीर में होने वाला दर्द भी लक्षण है। हमारा शरीर बताना चाहता है कि अंदर सब कुछ सामान्य नहीं है। अंदर कुछ ऐसा हो रहा है जो सही नहीं है। यह शरीर के लिए परेशानी खड़ी कर रहा है। हमारा शरीर दर्द देता है, ताकि हम उस परेशानी को खत्म करने की कोशिश जल्दी करें। चाहे वह परहेज से हो, दवा से या सर्जरी से या फिर किसी दूसरे तरीके से। जितनी बड़ी समस्या होती है अमूमन दर्द भी उतना ज्यादा और लंबे समय तक होता है। हर दर्द के पीछे कोई न कोई वजह, संदेश और अर्थ छिपा होता है। मान लें किसी को दर्द के साथ बुखार भी हो रहा है, चक्कर आ रहे हैं, दस्त हो रहे हैं, सीने में दर्द के साथ पसीने आ रहे हैं आदि। दर्द के साथ ऐसे लक्षणों का मतलब है कि मामला गंभीर हो सकता है।

सोच कर देखें कि अगर शरीर में कोई गंभीर परेशानी हो जाए, लेकिन उसकी वजह से कोई दर्द न हो तो हमें उस बीमारी या परेशानी का अहसास ही नहीं होगा। ऐसे में वह गंभीर रूप ले सकती है। इलाज में भी मुश्किल आ सकती है। इसलिए दर्द होना सही है, ताकि बीमारी का पता चलता रहे।

दर्द है इशारा न हो तो नुकसान

कैंसर के कुछ मामलों में ट्यूमर बनने के बाद भी दर्द नहीं होता। ऐसे मामले तब होते हैं जब ट्यूमर को फैलने के लिए खाली जगह मिल रही हो। मसलनः छोटी आंत, बड़ी आंत का ट्यूमर। जब यहां पर ट्यूमर बनता है तो उसे फैलने के लिए काफी स्पेस मिलता है। ऐसे में यहां के ट्यूमर की वजह से कोई दबाव नहीं बनता। आंतों में बनने वाले ट्यूमर की वजह से कई बार दर्द ही नहीं होता। कुछ मरीजों को चौथी स्टेज में जाकर इसका पता चल पाता है। ऐसे में हर शख्स को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी लक्षण जो पहले नहीं होता हो, अगर वह महसूस होता है और लगातार हो रहा है तो उसे गंभीरता से लें। मान लें कि किसी को पहले कब्ज नहीं रहती थी। बीते कुछ दिनों से उसे काफी गंभीर कब्ज रहने लगे तो आगे जांच की जरूरत है। यह न सोचें कि दर्द नहीं है तो खतरा नहीं। इसी तरह की स्थिति महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले में बनती है। अगर खुद ही ट्यूमर को न जांचे तो स्थिति खराब भी हो सकती है।

दर्द तब होता है महसूस

जब नसें (Nerves) हमारे दिमाग को ये संकेत भेजती हैं कि शरीर में कहीं कोई गड़बड़ी है। जब शरीर के किसी हिस्से में ऐसा बदलाव होता है जिसे शरीर नुकसान के रूप में पहचानता है। उस नुकसान को खतरा समझता है। जितना बड़ा खतरा समझेगा, दर्द भी उतना ही होगा। अगर किसी चोट से लगता है कि शरीर को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है तो मुमकिन है कि दर्द कम ही होगा। चोट, सूजन, इन्फेक्शन, दबाव, खिंचाव या केमिकल चेंज़ होने के बाद शरीर में मौजूद विशेष संवेदनशील नसें, जिन्हें पेन रिसेप्टर्स कहा जाता है, इन बदलावों को पहचान लेती हैं। जैसे ही ये रिसेप्टर्स ऐक्टिव होते हैं तो वे नसों के माध्यम से इलेक्ट्रो-केमिकल सिग्नल ब्रेन की ओर भेजते हैं। ये सिग्नल सबसे पहले रीढ़ की हड्डी (स्पाइनल कॉर्ड) तक पहुंचता है। यहां से ये सिग्नल कई स्तरों पर अलग होता है। कुछ संकेत रिफ्लेक्स ऐक्शन यानी फौरन ऐक्टिव होने के लिए होते हैं, जैसे हाथ को गर्म चीज़ से हटाना, बहुत ज्यादा ठंडी चीज़ें छूते ही उंगलियों को हटा लेना। इस ऐक्शन की स्पीड एक सेकंड में 80 से 120 मीटर की होती है। वहीं, हमारी औसत हाइट 1.5 मीटर से 1.75 मीटर तक होती है यानी हमें इस तरह के दर्द का अहसास होने में 1 सेकंड का चौथाई से 10वें हिस्से का ही वक्त लगता है। वहीं, कुछ सिग्नल आगे ब्रेन तक भेजे जाते हैं। वहां दर्द की पहचान होती है। साथ ही यह भी समझा जाता है कि दर्द उस शख्स के लिए कितना तेज़ है और उसे कितनी जल्दी उस परेशानी को ठीक कर लेना चाहिए। इसलिए एक ही तरह की चोट में कुछ लोगों को ज्यादा दर्द होता है और कुछ को कम। कभी-कभी खेल या दुर्घटना के समय चोट लगने के बावजूद फौरन तेज़ दर्द महसूस नहीं होता क्योंकि उस समय शरीर एड्रेनालिन जैसे हार्मोन छोड़ता है जो दर्द के सिग्नल को कुछ समय के लिए दबा देता है।

कुछ झूठे दर्द

दर्द का अनुभव सिर्फ शारीरिक नहीं होता, उसमें भावनात्मक और मानसिक स्थिति की भी भूमिका होती है। स्ट्रेस, एंग्जायटी, डिप्रेशन, डर आदि स्थितियां दर्द को बढ़ा सकती हैं। वहीं, भरोसा, शांति और पॉजिटिव थिंकिंग दर्द में कमी महसूस करा सकती है। कई बार मेडिकल टेस्ट नॉर्मल होने पर भी शख्स को असल दर्द होता है क्योंकि मस्तिष्क और नसें उस दर्द को सच में महसूस कर रही होती हैं। कुछ स्थितियों में दर्द तब भी महसूस होता है जब असल चोट ठीक हो चुकी होती है। इसे क्रॉनिक या न्यूरोपैथिक दर्द कहा जाता है। इसमें नसें खुद ही गलत सिग्नल भेजने लगती हैं और दिमाग उस झूठे संकेत को भी दर्द के रूप में अनुभव करता है।

रहें अलर्ट

- अगर किसी को कोई बीमारी हो जाए, शरीर में चोट लग जाए और दर्द का पता न चले तो यह ज्यादा खतरनाक स्थिति है।
- अगर दर्द की वजह पता है यानी बीमारी की जानकारी हो गई है। ऐसे में दर्द या बीमारी का निदान आसान है।
- दर्द का पता अमूमन तब नही चलता जब नसों में खराबी आ गई हो। यह गंभीर डायबीटीज़ का संकेत भी हो सकता है।
- दर्द को दबाने के लिए पेन किलर का इस्तेमाल तभी करना चाहिए जब वह दर्द बेचैन कर दे।
- अगर पेन किलर का असर खत्म होने के बाद दर्द फिर से शुरू हो जाए तो भी इसे गंभीरता से लेना चाहिए।
- अगर कोई दर्द सिर्फ रात में ही हो। यह लगातार 15 दिनों से ज्यादा समय से हो रहा हो तो इलाज गंभीरता से कराएं।
- कुछ लोगों में माइग्रेन पेन के ट्रिगर होने की वजह कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, चॉकलेट और खट्टे फल हो सकते हैं।

ऐसे दर्द को लें गंभीरता से

- शरीर ही दर्द पैदा करता है। उसका मकसद सिर्फ इतना है कि हम उस परेशानी को दूर कर दें।
- जब दर्द अचानक हो और दर्द के साथ दूसरे लक्षण भी उभरें, चाहे वह बुखार ही क्यों न हो।
- सीने में दर्द हो और इसके साथ पसीने आएं। पसीने रात में सोने के दौरान भी आएं। सांस लेने में परेशानी हो।
- शरीर में कहीं दर्द के साथ ठंड भी लगे, बुखार आए, वज़न कम हो जाए, आंखें बहुत ज्यादा सूजन हो जाए।
- अगर दर्द कम होने के बजाय धीरे-धीरे बढ़ता ही जाए तो भी इसे गंभीरता से लेने की ज़रूरत है।

महसूस होने के आधार पर दर्द की 3 कैटिगरी

1 तेज़ दर्द

इसे एक्यूट पेन भी कहते है। यह अचानक शुरू होता है और आमतौर पर किसी खास वजह से होता है। मसलनः चोट लगना, कटना या जलना, सर्जरी के बाद दर्द, दांत का अचानक होने वाला दर्द आदि। इस तरह के दर्द का मकसद सिर्फ सावधान करना होता है। यह शरीर का अलार्म सिस्टम है। यह बताता है कि अभी-अभी कुछ गलत हुआ है। इसलिए जिस भी वजह से हो रहा है उसे रोके जाने की ज़रूरत है। मान लें कि किसी की उंगली सब्जी काटने के दौरान थोड़ी-सी कट गई। जैसे ही कटी दर्द शुरू हुआ और मुमकिन है खून निकलना भी शुरू हो जाए। अब अगर दर्द न हो तो यह पता ही नही चलेगा कि उंगली कटी भी है। सीधे कहें तो दर्द आगे होने वाले नुकसान से बचाने का एक तरह का इशारा है।

अहम बातः अगर किसी शख्स को तेज दर्द थोड़े वक्त के लिए हुआ है और फिर बंद हो गया। आगे कभी दोबारा नही हुआ तो यह सामान्य है। लेकिन अगर यही दर्द असहनीय हो जाए या बढ़ता जाए तो यह अंदरूनी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है

2 पुराना दर्द

कहते है कि पुराना जख्म और पुराना दर्द बहुत परेशान करता है। यह सच भी है। **जब दर्द 3 महीने या उससे ज्यादा समय तक बना रहता है तो उसे पुराना दर्द कहा जाता है। मसलनः कमर दर्द, घुटनों का दर्द, गर्दन या कंधे का दर्द, माइग्रेन आदि का दर्द।** पुराने दर्द के माध्यम से शरीर सिर्फ यह बताता है कि शरीर की बनावट के स्तर पर परेशानी हुई है जो ठीक नही हो पा रही है। इस तरह की परेशानी की वजह से या तो **नसें दब** रही है या ज्यादा संवेदनशील हो गई हैं।

अहम बातः यह समझना भी जरूरी है तेज़ दर्द होने से ही मामला गंभीर नही हो जाता। कई बार हल्का दर्द धीरे-धीरे बढ़ता है। ऐसे मामले भी गंभीर हो सकते हैं।

3 रुक-रुक कर दर्द

यह कभी-कभी होता है (यह बिना पैटर्न के भी हो सकता है। **अमूमन मासिक धर्म के दौरान दर्द और क्रॉनिक माइग्रेन रुक-रुक कर होने वाले दर्द के उदाहरण हैं।** यह अचानक भी हो सकता है। इसके अलावा **पेट में अपच की वजह से** होने वाला दर्द भी ज्यादातर रुक-रुक कर हो सकता है।

किस तरह के दर्द में कैसी हो सिकाई?

...तब ठंडी सिकाई

तुरंत लगी ऐसी चोट जिससे खून न निकल रहा हो और सूजन हो, उस पर ठंडी सिकाई करना अच्छा विकल्प है। इसमें भी ड्राई कोल्ड बेहतर है। कोल्ड जैल पैक से सिकाई की जा सकती है। यह ध्यान रहे कि जिस कोल्ड पैक का इस्तेमाल कर रहे, वह मुड़ने वाला (फोल्डेबल) होना चाहिए ताकि ज्यादा से ज्यादा एरिया पर सिकाई हो सके। यह सिकाई अगले 24-48 घंटे होनी चाहिए। फिर भी सूजन कम न हो तो डॉक्टर से मिल लें।

...तब गर्म सिकाई

गर्म सिकाई का फायदा ज्यादातर उन मांसपेशियों पर होता है जिनमें जकड़न यानी (Stiffness) रहती हो जैसे स्पाइन (रीढ़ की हड्डी) और घुटने आदि में। इससे उस दर्द में फौरन कुछ राहत मिल जाती है। इसके लिए कॉटन के टॉवल आदि का उपयोग कर सकते हैं। अगर टखनों, तलवों आदि में दर्द हो तो बर्दाश्त करने लायक गर्म पानी में अपने पैरों को 10 मिनट के लिए रखने से फायदा होता है।

इंफ्रारेड लैंप से सिकाई

इसकी सिकाई से भी फायदा मिलता है। इसकी सिकाई कम से कम 1 फुट की दूरी से होनी चाहिए। कम गर्मी चाहिए तो लैंप को कुछ और दूर रखना चाहिए।

नोटः ठंडी सिकाई 10 से 15 मिनट के लिए दिन में 4 से 5 बार 2 दिनों तक करें। अगर कोई शख्स शुगर का मरीज है तो उसकी त्वचा की संवेदनशीलता (सेंसेशन) सही है या नहीं, देखना चाहिए। कभी-कभी संवेदनशीलता कम होने की वजह से स्किन बर्न की परेशानी हो जाती है।

दर्द के मामलों में फिजियोथेरपी तब...

जब मूवमेंट में परेशानी हो

शरीर में जितनी भी तरह के मस्कुलर मूवमेंट है, मसलनः टखना (एंकल), घुटने, कमर, कलाई, कोहनी, कंधा, गर्दन आदि के जोड़- इनसे जुड़ी हुई कोई भी परेशानी हो तो फिजियोथेरपी वहां कारगर है।

मांसपेशियों से परेशानीः अगर किसी मांसपेशी में खिंचाव या कोई परेशानी हुई तो फिजियोथेरपी कारगर।

फिटनेस बनाने में भूमिकाः फिजियोथेरपी किसी भी शख्स के फिटनेस लेवल को बनाकर रखने में अहम भूमिका निभाती है।

फिजियोथेरपी का इस्तेमाल

- शरीर को मजबूत बनाने में
- प्रेग्नेंसी के दौरान, डिलीवरी के बाद
- छाती में बलगम जमा होने (क्रॉनिक ब्रॉन्काइटिस), COPD में, बच्चों की जन्मजात बीमारी सेरिब्रल पेल्सी के सुधार में।

इसलिए पेट दर्द ...

पेट दर्द की परेशानी को सामान्य रूप से हम पहचान सकते है कि यह किस वजह से हो रही है। हालांकि आखिरी फैसला जांच के बाद डॉक्टर ही करेंगे।

नाभि के ऊपरी हिस्से को दो और नीचे के हिस्से को भी दो भागों में बांट लें।

- अगर ऊपर के हिस्से में दर्द हो रहा है तो लिवर और गॉल ब्लैडर की परेशानी हो सकती है।
- अगर सेंटर में तो यह गैस का दर्द हो सकता है या हार्ट से जुड़ा मामला हो सकता है।
- नाभि से नीचे होगा और वह दर्द पीछे की ओर जाए तो यह किडनी में स्टोन का दर्द हो सकता है। अगर राइट साइड में हो तो राइट किडनी और लेफ्ट में लेफ्ट किडनी का मामला।
- वही, अगर राइट साइड में दर्द हो और यह पीछे के बजाए नीचे की ओर ही बना हुआ है तो यह अपेंडिक्स का दर्द हो सकता है।

शरीर पर असर के आधार पर

हल्के दर्द : ऐसे दर्द होते हैं अमूमन कम गंभीर

ऐसा नही है कि शरीर में गंभीर मामलों में ही दर्द होता है। ज्यादातर दर्द कम गंभीर ही होते है। ऐसे दर्द में आराम करने से, सिकाई आदि करने और कभी-कभी पेन किलर लेने से काफी फायदा होता है।

- एक्सरसाइज करने से या किसी चीज़ पर जोर लगाने के बाद हल्का-मध्यम दर्द होना। ऐसे मामलों में आराम, गर्म/ठंडी सिकाई या साधारण दर्द निवारक से आराम मिल जाता है। ऐसे दर्द अमूमन कम समय के लिए होते हैं। ऐसे दर्द के साथ दूसरे लक्षण नही होते।
- नीद पूरी न होने की वजह से भी सिर दर्द हो सकता है। लेकिन नींद पूरी होते ही यह दर्द ठीक हो जाता है।

गंभीर दर्दः अलर्ट होने की ज़रूरत

किसी भी दर्द को समझना और उसे दूर करना तब बेहद आसान हो जाता है जब दर्द की वजह पता हो। सीधे कहें तो उस परेशानी या बीमारी की वजह पता हो। जब बीमारी का इलाज हो जाए तो दर्द भी दूर हो जाता है।

सीने मेंः **ऐसे हर दर्द को गंभीरता से लें। खासकर जब सीने का दर्द लेफ्ट हाथ या जबड़े या दांत तक पहुंच जाए और बढ़ता ही जाए। मुमकिन है कि साथ ही सीने में भारीपन, सांस लेने में परेशानी आदि भी हो।**

चोट लगने की वजह से मांसपेशियों मेंः इस तरह का दर्द भी तेज होता है। चोट के आसपास की मांसपेशियों को दबाने से यह तेज हो जाता है। मूवमेंट में परेशानी हो तो डॉक्टर से मिलें।

हड्डी फ्रैक्चर होने से उस अंग मेंः हड्डी टूटने की वजह से होने वाला दर्द काफी तेज होता है। अगर चोट लगने के बाद उस अंग पर हल्का दबाव भी बर्दाश्त न हो।

लिगामेंट के खिंचाव की वजह से जोड़ों मेंः अक्सर खेलते हुए इस तरह की परेशानी हो जाती है। अगर उस अंग पर दबाव बनाना मुश्किल हो जाए तो गंभीरता से लेना चाहिए।

सर्जरी की वजह से उस हिस्से मेंः इसके लिए अक्सर डॉक्टर पेनकिलर दे देते हैं।

धूप में देर तक रहने से सिर मेंः यह धूप से हटने के बाद अक्सर कम हो जाता है या फिर खत्म।

तेज भूख लगने की वजह से सिर में या पेट मेंः सभी के साथ ऐसा नही होता, लेकिन कुछ लोगों के साथ ऐसा हो सकता है।

लूज मोशंस की वजह से पेट मेंः यह दर्द मरोड़ जैसा होता है।

खांसी की वजह से सीने मेंः कई बार खांसते-खांसते सीने मे दर्द होने लगता है।

गैस की वजह से पेट या सीने मेंः गैस वाला दर्द अमूमन हल्की-फुल्की दवाओं से या उपाय करने से खत्म हो जाता है।

दांत दर्दः अगर दर्द सिर्फ दांतो मे है तो इसका इलाज डेंटिस्ट कर सकते हैं, लेकिन अगर इसके साथ सीने मे भारीपन आदि भी हो तो यह दिल से जुड़ा हुआ मामला भी हो सकता है।

जॉइंट पेनः यह आर्थराइटिस, गाउट आदि की वजह से होता है। इसमें डॉक्टर की सलाह से लाइफस्टाइल में बदलाव अहम हो जाता है।

ऐसा दर्द हो तो फौरन कराएं इलाज

नसों से जुड़े मामलों में

- हाथो मे सुन्नपन, झनझनाहट या जलन जैसा अहसास हो। यह न्यूरोपैथी का दर्द भी हो सकता है। शुगर के पुराने मरीजों में हो सकता है।
- गर्दन का दर्द बाजू तक पहुंचे तो यह नसों के दबने की वजह से हो सकता है। इसी तरह दर्द जांघो से पैरों तक जाए या कमर से पैरों में फैल जाए। ऐसे दर्द अमूमन साइटिका से होते हैं।
- हाथ या पैर में कमजोरी लगातार रहे
- यूरिन या शौच पर काबू न रहे
- सिर या कान में तेज दर्द और चलने में परेशानी या संतुलन बिगड़े
- अचानक बहुत तेज सिरदर्द (खासकर दूसरे लक्षणों के साथ)।

पेट से जुड़े मामलों में

- जब लूज मोशंस के साथ स्टूल से खून आए।
- अगर किसी को पेट में दर्द, जलन हो लेकिन यह दर्द धीरे-धीरे बढ़ता ही जाए। साथ मे पसीना आए, छाती में भारीपन महसूस हो।
- जब सिर दर्द हल्का ही सही, लगातार रहे, कई दिनों से हो रहा हो।

जोड़ों के मामले में दर्द

यह गंभीर जोड़ों की बीमारी या पूरे शरीर से जुड़ी समस्या का संकेत हो सकते हैं और ऐसे में फौरन ही डॉक्टर से मदद लेना जरूरी है।

- सूजन-सूजन/इन्फेक्शन से जुड़ा मामला हो और जोड़ लाल, गर्म और सूजन हो, साथ में तेज़ दर्द भी हो। हर्पीज की वजह से भी छाती में या सीने में दर्द हो सकता है।
- जॉइंट पेन के साथ बुखार या ठंड भी लगे।
- हल्की-सी हरकत या टच होने पर भी बेहद तेज दर्द हो।
- उस अंग पर बिलकुल भी दबाव न बना पाए।

मुख्यमंत्री की एलपीजी आपूर्ति को लेकर बैठक

कालाबाजारी एवं ओवरप्राइसिंग पर प्राथमिकी दर्ज कर लाइसेंस निरस्तीकरण की करें कार्रवाई

स्टॉक रजिस्टर एवं वास्तविक भंडारण का हो मिलान

पीएनजी और सीजीडी नेटवर्क के विस्तार को दें प्राथमिकता,

पाइप लाइन बिछाने संबंधी स्वीकृतियां 24 घंटे में हो जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/बालोतरा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी जिला कलक्टर्स को प्रतिदिन एलपीजी के संबंध में नियमित समीक्षा कर जमीनी परिस्थितियों का फीडबैक लेने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, कालाबाजारी एवं ओवरप्राइसिंग में लिप्त संस्थाओं या व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई एवं बार-बार उल्लंघन करने वालों को ब्लैकलिस्ट करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आकस्मिक निरीक्षण कर अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई तथा स्टॉक रजिस्टर एवं वास्तविक भंडारण का मिलान भी सुनिश्चित किया जाए।

शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में एलपीजी आपूर्ति के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों को संयुक्त टीमों के तहत विशेष अभियान चलाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, सभी जिलों में एलपीजी और आवश्यक वस्तुओं के गोदामों, एजेंसियों एवं वितरण केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

शिकायत का 24 घंटे में करें समाधान

मुख्यमंत्री ने जिले में हेल्पलाइन एवं शिकायत पोर्टल की पूर्ण सक्रियता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का 24 घंटे में त्वरित समाधान हो तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग कर मुख्य सचिव स्तर पर रिपोर्ट दी जाए। वहीं, सोशल मीडिया, स्थानीय मीडिया एवं पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। उन्होंने कहा कि अफवाह या गलत सूचना के कारण उत्पन्न कृत्रिम मांग को तुरंत नियंत्रित करने के साथ ही मांग और आपूर्ति की वास्तविक स्थिति का भी दैनिक आकलन किया जाए।

ओटीपी आधारित वितरण और डायरी में एंट्री अनिवार्य रूप से हो लागू

शर्मा ने सभी जिला कलक्टर्स को केंद्र सरकार द्वारा जारी एलपीजी आवंटन संबंधी दिशा-निर्देशों की जिलों में पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित करवाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ओटीपी आधारित वितरण और डायरी में एंट्री को अनिवार्य रूप से लागू करवाया जाए। साथ ही, पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) एवं सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन बिछाने संबंधी सभी स्वीकृतियां 24 घंटे के भीतर जारी हों। वहीं, औद्योगिक संस्थानों को पीएनजी अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जाए। बैठक में बताया गया कि केंद्र सरकार की नवीन एसओपी के तहत व्यवसायिक गैस सिलेंडर की आवश्यकतानुसार आपूर्ति सुनिश्चित करवाई जा रही है। प्रदेश में 27 मार्च तक 3 हजार 741 निरीक्षण किए गए हैं, इनमें 1 हजार 506 गैस एजेंसियों का निरीक्षण शामिल है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को सहायता उपलब्ध करवाने के लिए हेल्पलाइन नंबर 14435, 112 और 181 संचालित किए जा रहे हैं। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, संबंधित विभाग के अधिकारी एवं जिला कलक्टर्स वीसी के माध्यम से जुड़े।

पुत्री के साथ हुई मारपीट पर शीघ्र कार्यवाही की मांग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। गत दिनों एक व्यक्ति की पुत्री के साथ अन्य बालिका द्वारा मारपीट करने व जातिगत अपमानित करने की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराने के बावजूद कार्यवाही से असंतोष जाहिर करते हुए एसपी को ज्ञापन सौंप कर आरोपी के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की गई।

ओछड़ी पीएम आवास योजना के निवासी महेश जीनगर पिता डूंगरमल ने एसपी को सौंपे ज्ञापन में बताया कि गत दिनों उसकी पुत्री के साथ एक अन्य बालिका द्वारा गंभीर मारपीट कर जातिगत अपमानित किया गया। मारपीट से उसकी पुत्री के शरीर पर चोंटे आई, दो दांत टूट गये थे। इस घटना की रिपोर्ट सदर थाने में भी दर्ज कराई गई।

प्रकरण की जांच के कुछ तथ्यों के सही नहीं मिलने का हवाला देते हुए जांच अधिकारी के कार्यवाही में शिथिलता बरतने का आरोप लगाते हुए शिकायत में प्रस्तुत तथ्यों में कुछ तथ्यों के नहीं मिलने के बावजूद मारपीट करने के तथ्य के सामने स्पष्ट रूप से दर्शित होने के तर्कों के आधार पर शीघ्र कार्यवाही चाही गई वहीं अभियुक्तगणों के प्रभाव में उन्हें बचाने व जांच के ढूलमूल रवैये का आरोप लगाते हुए प्रार्थी द्वारा एसपी से शीघ्र कार्यवाही करने की मांग की गई।

मात्र 5 रुपए में कराएं खेत मिट्टी की जांच

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

झालावाड़। जिले के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। अब मात्र 5 रुपए खर्च कर खेत की मिट्टी की सेहत की जांच करवाई जा सकती है। सरकार की मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि विभाग के अनुसार जिले में किसानों को जागरुक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत किसान मिट्टी का नमूना लेकर नजदीकी कृषि प्रयोगशाला में जमा करवा सकते हैं। जांच के बाद उन्हें एक मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिया जाएगा, जिसमें मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और सूक्ष्म तत्वों की स्थिति का पूरा विवरण होगा।

ऐसे लें नमूना

खेत के चारों ओर कोने की मेड़ से एक मीटर जगह छोड़कर 9 इंच गहराई का गहरा गड्ढा खोदकर बीच की मिट्टी को निकाले एवं एक गड्ढा खेत के मध्य से वी आकार का खोदे और मिट्टी निकाले। इसके बाद खुरपी की सहायता से वी आकार के गड्ढे से मिट्टी को बारीक कूटकर पीस लें, महीन बना लें एवं बराबर चार भागों में बांटे।

एआई तकनीक से रामदेवरा में जन्मा इस साल का पहला गोडावण चूजा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जैसलमेर। जिले से गोडावण संरक्षण को लेकर एक बार फिर उत्साहजनक खबर सामने आई है। पोकरण के पास रामदेवरा स्थित गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में इस साल का पहला गोडावण चूजा सफलतापूर्वक जन्मा है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि इस चूजे का जन्म आधुनिक आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन तकनीक की मदद से हुआ है, जो इस दुर्लभ पक्षी के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही है।

जेरी और पर्व से मिला नया जीवन

यह चूजा मादा गोडावण "जेरी" और नर "पर्व" से प्राप्त अंडे से विकसित हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार यह प्रक्रिया बेहद संवेदनशील होती है और इसमें वैज्ञानिकों की निरंतर निगरानी जरूरी होती है। इससे पहले इसी महीने सम-सूदासरी ब्रीडिंग सेंटर में भी कई चूजों का जन्म हो चुका है, जिससे संरक्षण अभियान को लगातार मजबूती मिल रही है। रामदेवरा की इस सफलता के साथ जैसलमेर जिले में गोडावणों की कुल संख्या अब बढ़कर 73 हो गई है।

धर्म रक्षा स्मृति भवन का हुआ भव्य लोकार्पण

धर्म रक्षा स्मृति भवन से सेवा, संस्कार और स्वावलंबन को मिलेगा नया आयाम-देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। तीर्थराज पुष्कर के समीपवर्ती ग्राम खरेखड़ी वरुण सागर मार्ग में भारतीय जन सेवा प्रतिष्ठान ब्यावर द्वारा निर्मित धर्म रक्षा स्मृति भवन का भव्य लोकार्पण समारोह श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक समर्पण के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में संत-महात्माओं के सानिध्य तथा विभिन्न गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि धर्म रक्षा स्मृति भवन केवल एक इमारत नहीं, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास, संस्कार निर्माण और सेवा भाव की सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा प्रकल्प समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ ही नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित सफल उद्यमी ललिता निझावन ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज के उत्थान के लिए शिक्षा, संस्कार और महिला सशक्तिकरण को एक साथ आगे बढ़ाना आवश्यक है तथा यह भवन इन सभी उद्देश्यों की पूर्ति का एक सशक्त माध्यम बनेगा। कार्यक्रम में संत सानिध्य के रूप में कपालेश्वर महादेव मंदिर पुष्कर के महंत पूज्य सेवानंदगिरी जी महाराज, नृसिंह द्वारा पाटन-बदनोर के महंत पूज्य रामकृष्ण दास जी महाराज एवं नौसर माता मंदिर पुष्कर घाटी के पूज्य रामाकृष्ण देव जी महाराज ने अपने आशीर्वचन देते हुए इस सेवा कार्य को समाज के लिए अत्यंत पुण्यकारी और अनुकरणीय बताया।

विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री उमाशंकर शर्मा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री एवं भारतीय जनसेवा संस्थान दिल्ली के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष आनन्द गोयल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुदेशपाल तथा विश्व हिन्दू परिषद राजस्थान के क्षेत्र संगठन मंत्री राजाराम ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए इस पहल को समाज के कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में बताया गया कि धर्म रक्षा स्मृति भवन में आधुनिक एवं सनातन मूल्यों पर आधारित विद्यालय, बाल संस्कार केंद्र, महिला स्वावलंबन हेतु सिलाई एवं हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र तथा निःशुल्क औषधि वितरण केंद्र का संचालन किया जाएगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और रोजगार के क्षेत्र में समाज के विभिन्न वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।

बडंगा में मानव सेवा का सराहनीय पहल

राहत सामग्री वितरण शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। मानव कमल कैलाश सेवा संस्थान के अध्यक्ष कैलाश चन्द्र अग्रवाल 'मानव' की पावन प्रेरणा से संस्थान परिवार की कोषाध्यक्ष कमला देवी अग्रवाल के सानिध्य में ग्राम बडंगा (ग्राम पंचायत धार, पंचायत समिति बड़गांव, जिला उदयपुर) में राहत सामग्री वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में गांव के महिला, पुरुष, बच्चे एवं बुजुर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कमला देवी अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जरूरतमंद परिवारों को राहत स्वरूप 150 भोजन पैकेट (पूड़ी-सब्जी), 150 महिलाओं को बाल्टी एवं मग, 150 बेडशीट पुरुषों के लिए, 125 बच्चों को शर्ट तथा 125 टॉवेल पुरुषों व महिलाओं हेतु वितरित किए गए।

शिविर प्रभारी कुलदीप शेखावत ने बताया कि आयोजन में गांव बडंगा के गणमान्य नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। संस्थान की ओर से शांताबाई, दिलीप सिंह, राजकुमार, दिनेश भोई, महेन्द्र जाट, नाहर सिंह, प्रकाश सहित अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिविर के माध्यम से जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचा कर मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया, जिसकी ग्रामीणों ने सराहना की।

औद्योगिक भूखण्ड पर वाइन शॉप का RIICO ने आवंटन किया निरस्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। आबूरोड औद्योगिक क्षेत्र ग्रोथ सेंटर प्रथम चरण में एक औद्योगिक भूखण्ड पर नियमों के विपरीत वाणिज्यिक गतिविधि संचालित करने का मामला सामने आने के बाद रीको प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए भूखण्ड का आवंटन निरस्त कर दिया है। इस कार्रवाई के साथ ही आबकारी विभाग की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, जिससे पूरे मामले में संभावित भ्रष्टाचार और मिलीभगत की आशंका गहराने लगी है। अनुसार, औद्योगिक क्षेत्र ग्रोथ सेंटर प्रथम चरण, आबूरोड में भूखण्ड संख्या ई-287 (क्षेत्रफल 4000 वर्गमीटर) का आवंटन वर्ष 1994 में मै. ज्याति स्टोन प्रा. लि., डायरेक्टर विजय कुमार शर्मा के पक्ष में किया गया था। आवंटन की शर्तों के तहत भूखण्ड पर "मार्बल स्लैब" उत्पादन की औद्योगिक इकाई स्थापित की जानी थी। लेकिन निरीक्षण में सामने आया कि उक्त भूखण्ड पर औद्योगिक इकाई स्थापित करने के बजाय वाणिज्यिक गतिविधि के रूप में वाइन शॉप का संचालन किया जा रहा था। यह न केवल आवंटन शर्तों का उल्लंघन है, बल्कि औद्योगिक क्षेत्र के उपयोग संबंधी नियमों के भी विपरीत है। रीको प्रशासन ने अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पक्ष को कई बार कारण बताओ नोटिस जारी किए। 6 मई 2022, 24 जून 2025 और 26 नवंबर 2025 को जारी नोटिसों के बावजूद संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

विधानसभा अध्यक्ष ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

20 करोड़ से बनेगा बालिका सैनिक स्कूल जल्द जारी होगा वर्क आर्डर

सावित्री बालिका प्राथमिक विद्यालय में शिफ्ट होगा मॉडल बालिका स्कूल

5 करोड़ की लागत से होंगे डीएमएफटी के कार्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। अजमेर के शैक्षिक इतिहास में जल्द नया अध्याय जुड़ने जा रहा है हाथीखेड़ा क्षेत्र में 30 एकड़ क्षेत्र में 20 करोड़ रूपए की लागत से बालिका सैनिक स्कूल बनेगा। इसके वर्क ऑर्डर शीघ्र जारी होंगे। इसके साथ ही ही सुंदर विलास स्थित मॉडल बालिका स्कूल को सावित्री बालिका प्राथमिक विद्यालय भवन में शिफ्ट किया जाएगा। ऐसे में करीब 300 छात्राओं को अन्य स्कूलों में शिफ्ट होने की समस्या भी समाप्त हो जाएगी। अजमेर उत्तर क्षेत्र की स्कूलों में डीएमएफटी फंड से 5 करोड़ रूपए के विकास कार्य करवाएं जाएंगें।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को सर्किट हाउस में अजमेर में शिक्षा विभाग से संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से हाथीखेड़ा क्षेत्र में बनने वाले बालिका सैनिक स्कूल की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने जयपुर में अधिकारियों को फोन कर वर्क ऑर्डर अप्रैल में जारी करने के लिए निर्देशित किया। बालिका सैनिक स्कूल करीब 20 एकड़ जमीन पर बनने जा रहा है। इसे निर्माण पर करीब 20 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

देवनानी ने शहर में बालिका शिक्षा की एक बड़ी समस्या का समाधान भी किया। उन्होंने सुदर विलास स्थित मॉडल बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल के भवन संबंधी समस्या पर चर्चा करते हुए इसे सावित्री बालिका प्राथमिक विद्यालय के भवन में संचालित करने के निर्देश दिए। इससे छात्राओं को व स्टाफ को दूसरे स्कूलों में मर्ज नहीं करना पड़ेगा। अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय भवन में पर्याप्त कक्षा कक्ष है। सेफ्टी ऑडिट भी करवा ली गई है। जल्द ही इसे मरम्मत व रंग-रोगन करवा कर बालिकाओं के लिए संचालित करवा दिया जाएगा। देवनानी ने अधिकारियों से शहर में जीर्ण-शीर्ण विद्यालयों व कक्षों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि बारिश के समय किसी तरह की दुर्घटना ना हो, इसके लिए जर्जर भवनों की मरम्मत कराई जाए। पीडब्ल्यूडी भी इस दिशा में काम करें। बच्चों को किसी तरह के खतरे में नहीं पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा विभाग एवं अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से डीएमएफटी फंड से स्कूलों में होने वाले विकास कार्यों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि 5 करोड़ रूपए से होने वाले यह विकास कार्य जल्द शुरू करवाएं जाएं ताकि विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। देवनानी ने विधायक कोष से स्कूलों में होने वाले कामों की भी समीक्षा की।

1 करोड़ की अवैध शराब जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

सिरोही @ जागरूक जनता। रीको थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में कुल 1239 पेटी अवैध शराब बरामद की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। दोनों मामलों में पुलिस ने एक-एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है। थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि पुलिस को लगातार अवैध शराब तस्करी की सूचनाएं मिल रही थीं, जिस पर कार्रवाई करते हुए यह सफलता हासिल की गई है। पहली कार्रवाई मावल चौकी क्षेत्र में की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने एक संदिग्ध कंटेनर को रुकवाकर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कंटेनर से 1085 पेटी अवैध शराब बरामद हुई, जिसे गुजरात ले जाया जा रहा था। इस खेप की अनुमानित कीमत 80 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिससे पूछताछ जारी है। दूसरी कार्रवाई रीको थाना क्षेत्र में नियमित चेकिंग के दौरान की गई। पुलिस ने एक ट्रक को रुकवाकर जांच की तो उसमें पाउडर के कट्टों की आड़ में अवैध शराब छिपाकर ले जाई जा रही थी। तलाशी के दौरान ट्रक से 154 पेटी शराब बरामद हुई। यह खेप भी गुजरात भेजी जा रही थी। इस मामले में भी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई है। दोनों कार्रवाइयां जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिलेभर में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत आबूरोड पुलिस ने यह बड़ी सफलता हासिल की है। कार्रवाई में रीको थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में मावल चौकी प्रभारी विऱ म राजपुरोहित, कांस्टेबल प्रकाश कुमार, जयंतीलाल और प्रवीण सिंह सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म — दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

KHADI MAURI

पीढ़ियो का अनुभव, गुणवत्ता का विश्वास खादी मौरी के उत्पाद अब मिलेंगे आस पास

25 वर्षों के अनुभव के साथ, हम गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक हैं।
हमारे सभी उत्पाद हर्बल हैं और हानिकारक रसायनों से मुक्त हैं।

शुद्धता और सुरक्षा – हर उत्पाद में हमारा वादा।

Khadi India

डिस्ट्रीब्यूटर बनें – बढ़ते हुए ब्रांड के साथ जुड़ें

Follow Us:

हमारे पार्टनर्स

amazon Flipkart Myntra blinkit Walmart केन्द्रीय भण्डार kendriya bhandar more LOTS Elenta Mart

Manufactured By:
Maruti Mahila Swawalambi Sansthan
B-14, Sector 59, Noida, Uttar Pradesh (201301)
+91 88265 24569 www.khadimauuri.com info@khadimauriherbal.com

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : **jagrukjantanews@gmail.com** (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- **चेतेन्द्र कुमार मिश्रा**